PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

# लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-02 ● अंक- 23 ● भिलाई, शनिवार 08 अगस्त 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

## संक्षिप्त समाचार

### 50 हजार की स्कूटी पर 10 लाख का जुर्माना

**गुरुग्राम।** हरियाणा के साइबर सिटी गुरुग्राम से ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ाने का एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां ट्रैफिक पुलिस ने नियमित चेकिंग के दौरान एक ऐसे स्कूटी सवार को पकड़ा है, जिसका रिकॉर्ड देखकर खुद पुलिसकर्मियों का भी सिर चकरा गया। करीब 50 हजार रुपये की कीमत वाली इस पुरानी स्कूटी पर एक-दो नहीं, बल्कि पूरे 10 लाख रुपये के 96 चालान लंबित मिले। पुलिस ने इस बड़ी लापरवाही पर सख्त एक्शन लेते हुए स्कूटी को तुरंत जब्त कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, गुरुग्राम के राजीव चौक पर जोनल अधिकारी एएसआई विजय सिंह अपनी टीम के साथ वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर एक युवक पर पड़ी, जो बिना हेलमेट लगाए राजीव चौक से मेदांता अस्पताल की तरफ रॉन्ग साइड से स्कूटी चलाकर जा रहा था। पुलिस ने प्रशांत नाम के इस युवक को रोककर जब उससे स्कूटी के कागजात मांगे, तो वह कोई भी दस्तावेज नहीं दिखा सका।

### गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों का घरेलू बजट हुआ मजबूत

**पटियाला ।** पंजाब सरकार द्वारा घरेलू उपभोक्ताओं को प्रदान की जा रही प्रति माह 300 यूनिट मुफ्त बिजली की सुविधा से राज्य के लगभग एक करोड़ बिजली उपभोक्ताओं में से करीब 90 प्रतिशत परिवारों को बड़ी आर्थिक राहत मिली है। राज्य सरकार की इस योजना ने सामान्य, मध्यम वर्गीय, गरीब तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर बिजली बिलों का बोझ कम किया है। इसके परिणामस्वरूप उनके मासिक बिजली खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है और उन्हें प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ प्राप्त हुआ है। आज पंजाब के लाखों परिवार राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठा रहे हैं। बिजली बिलों पर खर्च होने वाली राशि का उपयोग बड़ी संख्या में परिवार अपने बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, घरेलू आवश्यकताओं तथा अन्य महत्वपूर्ण खर्चों पर कर रहे हैं। इतना ही नहीं, इस योजना का एक और महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव यह देखने को मिला है कि लोगों में बिजली के संतुलित एवं जिम्मेदार उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ी है।

### दूषित पानी का कहर ग्रेटर नोएडा में 100 से अधिक लोग बीमार

**नोएडा।** ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित निराला ग्रीन आर्क सोसायटी में दूषित गंगाजल की आपूर्ति से 100 से अधिक लोग बीमार पड़ गए हैं। निवासियों का दावा है कि पानी की जांच में 'कोलीफार्म और ई.कोलाई बैक्टीरिया' की पुष्टि हुई है। इस घटना के बाद सोसायटी के 11 टावरों में रहने वाले करीब 1,640 परिवारों में दहशत का माहौल है। लोगों ने अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (एओए) और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर लापरवाही का आरोप लगाया है। निवासियों के अनुसार, पिछले दो महीने से गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर लगातार शिकायतें की जा रही थीं।

---

**नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले में सीबीआई चार्जशीट में बड़ा खुलासा**

# एनटीए एक्सपर्ट्स ने याद कर बाहर पहुंचाए सवाल

नई दिल्ली/ एजेंसी

सीबीआई ने नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले में दाखिल चार्जशीट में कई डिजिटल और फोरेंसिक सबूतों का जिक्र किया है। इनमें पुणे की एक रिहायशी सोसायटी के एंट्री मैनेजमेंट एप का रिकॉर्ड भी शामिल है। इसी सोसायटी में एनटीए के केमिस्ट्री विषय के विशेषज्ञ और आरोपी पीवी कुलकर्णी रहते थे। सीबीआई ने 28 जुलाई को विशेष अदालत में 13 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। अधिकारियों के मुताबिक, सोसायटी के एप से मिले रिकॉर्ड में उन छात्रों की बायोमेट्रिक एंट्री भी शामिल है, जो कुलकर्णी की ओर से अप्रैल में आयोजित विशेष कोचिंग कक्षाओं में आते थे। सीबीआई ने एप के रिकॉर्ड के जरिए छात्रों और उनके अभिभावकों की सोसाइटी में मौजूदगी की पुष्टि की। ये लोग नीट यूजी परीक्षा से कुछ दिन पहले अप्रैल में कुलकर्णी की सोसाइटी में आए थे। एजेंसी ने इन रिकॉर्ड को छात्रों के मोबाइल फोन के कॉल डिटेल रिकॉर्ड और लोकेशन विश्लेषण से भी मिलाया। नीट यूजी परीक्षा 3 मई को आयोजित हुई थी। सीबीआई की जांच में एनटीए के पैनल में शामिल पुणे के तीन विषय विशेषज्ञों की भूमिका सामने आई। इनमें शामिल हैं: पीवी कुलकर्णी, केमिस्ट्री मनीषा गुरुनाथ मंधारे, जूलॉजी और बॉटनी मनीषा संजय हवलदार, फिजिक्स एजेंसी का आरोप है कि इन लोगों ने एनटीए की परीक्षा प्रक्रिया में मौजूद खामियों का फायदा उठाकर गोपनीय सवाल हासिल किए और उन्हें पैसे लेकर आगे पहुंचाया। सीबीआई के अनुसार, ब्यूटीशियन

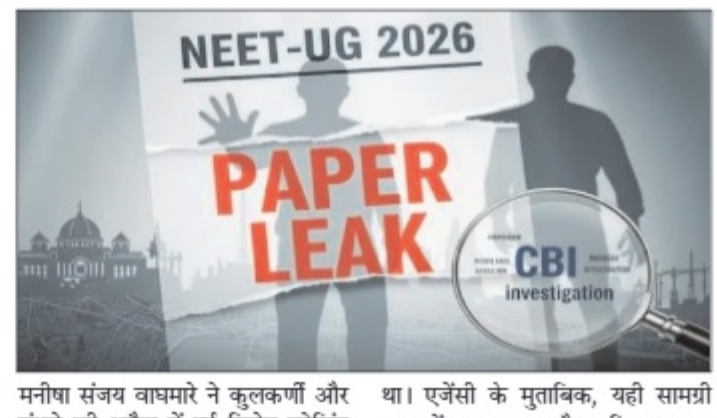


मनीषा संजय वाघमारे ने कुलकर्णी और मंधारे की अप्रैल में हुई विशेष कोचिंग कक्षाओं में छात्रों को भेजा था। वहां छात्रों की कॉपियों में विशेषज्ञों की ओर से बताए गए सवाल लिखे गए थे। कुछ सवालों को 'महत्वपूर्ण' और 'बहुत महत्वपूर्ण' के तौर पर चिह्नित किया गया था। एजेंसी के मुताबिक, यही सामग्री बाद में राजस्थान और हरियाणा तक छात्रों और बिचौलियों की एक श्रृंखला के जरिए पहुंचाई गई। सीबीआई ने हवलदार की भूमिका का भी जिक्र किया है। आरोप है कि मंधारे के कहने पर उन्होंने एक अभ्यर्थी की मां को फिजिक्स के 68 सवालों वाले 16 पन्ने उपलब्ध कराए। जांच एजेंसी ने अलग-अलग छात्रों और बिचौलियों से मिले लीक प्रश्नों और अन्य सामग्री को दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से गठित विशेषज्ञ पैनल को भेजा। जांच में इस सामग्री का नीट यूजी 2026 के चार पेपर सेट से अलग-अलग स्तर पर मिलान पाया गया। सीबीआई के अनुसार, जिन सेट तक संबंधित विशेषज्ञों की पहुंच थी, उनमें सवालों का मिलान 85 फीसदी तक पाया गया। जिन सेट तक उनकी पहुंच नहीं थी, उनमें मिलान काफी कम था। सीबीआई के अनुसार, नीट के प्रश्नपत्रों की तैयारी, अनुवाद और बैक-ट्रांसलेशन का काम एनटीए के ओखला स्थित भवन में नियंत्रित माहौल में किया गया था। एजेंसी का आरोप है कि इन प्रक्रियाओं में मौजूद खामियों का फायदा आरोपियों ने उठाया।

### पीएससी के एसआई रिजल्ट में जिस न्यूज नाम को लेकर मचा बवाल, अब सामने आकर खुद बताई पूरी सच्चाई

रायगढ़। पीएससी के एसआई रिजल्ट में जिस न्यूज नाम को लेकर बवाल मचा हुआ था अब उसने खुद सामने आकर पूरी सच्चाई बताई है। रायगढ़ जिला मुख्यालय से मात्र 20 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम रेंगालपाली स्थित हाईस्कूल में पढ़ने वाले न्यूज नाम के लड़के की हिस्ट्री पुलिस को सही मिली है। गांव के प्रिंसिपल से लेकर उसे पढ़ाने वाले शिक्षक भी बताते हैं कि न्यूज नाम का लड़का शुरू से ही पढ़ाई में तेज रहा है और उसने सीजीपीएसई परीक्षा में सूबेदार के रिजल्ट में सफलता पा ली है। इस नाम के कारण पुलिस पूछताछ के अलावा लोगों के शक की जद में आने से पूरे छत्तीसगढ़ में इससे सवाल किये जाने लगे हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पहुंचने के बाद इस न्यूज कुमार ने अपनी पूरी जानकारी देते हुए बताया कि इसका पूरा नाम न्यूज कुमार प्रधान है और आधार कार्ड और मार्कशीट में उसका नाम केवल न्यूज लिखा हुआ है।

---

**भागवत ने कहा-जेनी-जी पर अंधा विश्वास**

# उन्हें आपके सर्टिफिकेट की जरुरत नहीं-प्रियंका

**नई दिल्ली।** प्रमुख मोहन भागवत और जेनी-जी के बीच बातचीत को लेकर सियासी बयानबाजी शुरू हो गई है. कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा कि जेनी-जी को आरएसएस मोहन भागवत से किसी सर्टिफ़िकेट की जरूरत नहीं है. वहीं कांग्रेस सांसद के.सी. वेणुगोपाल ने कहा, अगर उन्हें 'जेन ज़ेड' की सच में परवाह है, तो उन्हें भारत के गृह मंत्री से इस्तीफा देने के लिए कहना चाहिए. वरना, उन्हें (केंद्रीय गृह मंत्री को) कम से कम संसद में आकर छात्रों से माफ़ी मांगनी चाहिए उन्होंने कहा, आरएसएस सरकार को नियंत्रित कर रही है. अगर उन्हें छात्रों की सच में परवाह है, तो उन्हें छात्रों पर हुए अत्याचारों की निंदा करनी होगी. पेलेट गन्स का इस्तेमाल किया गया था और छात्र इसके लिए जवाबदेही की मांग कर रहे हैं. वह इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं? यह सब बस दिखावा है.

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन के साथ, नई दिल्ली के पीतमपुरा स्थित सर्वोदय विद्यालय में स्टेम इनोवेशन लैब के उद्घाटन के मौके पर ग्रुप फ़ोटो के लिए पोज़ देती हुई।

**राहुल गांधी ने नहीं दिया जवाब**

# सोनम वांगचुक बोले- नेताओं पर भरोसा नहीं

**नई दिल्ली।** सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पिछले दिनों नीट पेपर लीक के मुद्दे पर सरकार के खिलाफ भूख हड़ताल पर बैठे थे। वांगचुक ने सरकार से कार्रवाई आश्वासन मिलने के बाद अपना 26 दिनों से चला आ रहा अनशन खत्म कर दिया था। अब उन्होंने छात्रों के प्रदर्शन और भूख हड़ताल खत्म करने को लेकर बड़ा बयान दिया है। सोनम वांगचुक ने हाल ही में मीडिया से बात करते हुए कहा कि, वो चाहते थे कि राहुल गांधी उनका अनशन खत्म करवाएं, लेकिन उन्हें कांग्रेस नेता की ओर से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली। वांगचुक ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह ने उनसे किया गया वादा तोड़ दिया। इसके बाद उनका भरोसा नेताओं पर से उठ गया है। सोनम वांगचुक ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हम चाहते थे कि राहुल गांधी मेरे अनशन को जूस पिलाकर तुड़वाएं।

---

**7 साल की उम्र में छोड़ा था भारत**

# आभा नायर बनीं जाम्बिया सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला जज.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली में जन्मीं और जाम्बिया में पली-बढ़ीं जस्टिस आभा नायर पटेल ने न्यायिक इतिहास में नया अध्याय लिख दिया है। वह जाम्बिया के सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला न्यायाधीश बन गई हैं। इसके साथ ही, भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के विशेष आमंत्रण पर भारत के सुप्रीम कोर्ट की न्यायिक पीठ पर बैठने वाली जाम्बिया की पहली जज बनने का गौरव भी उन्होंने हासिल किया। वर्ष 1973 में, जब आभा नायर मात्र सात वर्ष की थीं, तब उनके माता-पिता बेहतर आजीविका की तलाश में दिल्ली से जाम्बिया चले गए। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ जाम्बिया से कानून की पढ़ाई की और बाद में कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी (ब्रिटेन) से मास्टर डिग्री प्राप्त की। वर्ष 1989 में जाम्बिया बार में शामिल होने के बाद उन्होंने अपनी ईमानदारी, मेहनत और पेशेवर उत्कृष्टता के दम पर अलग पहचान बनाई। आभा नायर पटेल को वर्ष 2019 में हाईकोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया। अप्रैल 2023 में उन्हें कोर्ट ऑफ अपील में पदोन्नति मिली और 27 मई 2026 को उन्होंने जाम्बिया के सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला जज के रूप में शपथ लेकर इतिहास रच दिया। न्यायिक उपलब्धियों के अलावा वह एक पर्वतारोही भी हैं और अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो पर सफलता पूर्वक चढ़ाई कर चुकी हैं। सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन के कार्यक्रम में जस्टिस पटेल ने कहा कि प्रभावी न्याय प्रणाली के तीन आधार हैं।

### भारतीय सेना में अविवाहित पुरुष उम्मीदवारों के लिए निकली भर्ती

**नई दिल्ली।** भारतीय सेना में नौकरी करना देश के हजारों-लाखों युवाओं का सपना होता है। अगर आप भी उन्हीं में से एक हैं, तो आपके लिए यह एक बेहतरीन मौका है। दरअसल, इंडियन आर्मी ने 68वां शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) के अंतर्गत पात्र अविवाहित पुरुष इंजीनियरिंग स्नातकों (ग्रेजुएट्स) से विभिन्न 350 पदों के लिए आवेदन एक आधिकारिक अधिसूचना जारी करके आमंत्रित किए हैं। भारतीय सेना की ओर से यह कोर्स अप्रैल 2027 में प्री-कमीशनिंग ट्रेनिंग अकादमी (पीसीटीए) में प्रारंभ होगा। इंडियन आर्मी की ओर से जारी 350 रिक्तियों में सिविल के 75, कंप्यूटर साइंस के 60, इलेक्ट्रिकल के 33, इलेक्ट्रॉनिक्स के 64, मैकेनिकल के 101 और अन्य इंजीनियरिंग स्ट्रीम्स से 17 पद शामिल हैं।

**ममता और उद्धव के बागी सांसदों संग ब्रेकफास्ट मीटिंग**

# एनडीए सांसदों से बोले पीएम मोदी चिंता मत करो,मैं आपके साथ हूं....

नई दिल्ली/ एजेंसी

ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे से बगावत करने वाले सांसदों के साथ पीएम नरेंद्र मोदी ने ब्रेकफास्ट मीटिंग की। आज (7 अगस्त) सुबह प्रधानमंत्री मोदी ने ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे गुट से अलग हुए सांसदों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी को भी चिंता करने की जरूरत नहीं है, मैं आपके साथ हूं। प्रधानमंत्री मोदी से सभी बागी सांसदों से अपने-अपने क्षेत्र में विकास पर ध्यान देने की बात करते हुए कहा कि अगर विकास परियोजनाओं से जुड़ी किसी भी तरह की समस्या आती है, तो वे सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय से संपर्क करें। बैठक में प्रधानमंत्री ने सभी बागी सांसदों से संसद की डिबेट में सक्रिय रूप से हिस्सा लेने का सुझाव दिया। पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए एक परिवार है। उन्होंने शिवसेना में हाल ही में शामिल 6 सांसदों के साथ एक अलग बैठक की। उन्होंने सांसदों से संसदीय इतिहास को पढ़ने, जानने और समझने के लिए कहा। पीएम मोदी ने बताया कि संसद में इतिहास से जुड़ा बहुत सारा मैटेरियल उपलब्ध है, डिबेट में तैयारी करने के लिए उसका इस्तेमाल कीजिए। साथ ही सांसदों को अपने-अपने राज्यों के विकास के लिए काम करने की सलाह दी और इस बात पर जोर दिया कि जब राज्य आगे बढ़ेंगे, तभी देश का भी विकास होगा। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने धाराशिव से सांसद ओमराजे निंबालकर से उनके योग अभ्यास के बारे में भी पूछा। पीएम मोदी ने महाराष्ट्र के शिवसेना शिंदे गुरुप और एनसीपी अजीत पवार के गुरुप के कई सांसदो से मराठी में भी बात की।

---

**क्या है 10 से 12 अगस्त का प्लान?**

# संसद में घमासान के आसार-कांग्रेस ने सांसदों को जारी किया व्हिप

नई दिल्ली/ एजेंसी

संसद के मानसून सत्र के बीच राजनीतिक सरगर्मियां अचानक तेज हो गई हैं। कांग्रेस ने संसद के दोनों सदनों में अपने सभी सांसदों को उपस्थित रहने का फरमान जारी किया है। पार्टी ने राज्यसभा और लोकसभा के अपने सदस्यों के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी किया है। इसके तहत सभी सांसदों को 10, 11 और 12 अगस्त को सदन में मौजूद रहने को कहा गया है। पार्टी के अनुसार इन तीन दिनों में बेहद महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। कांग्रेस ने अपने सहयोगियों को भी एकजुट करने की कवायद शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी ने 'इंडिया गठबंधन' के सभी साथी दलों से भी संपर्क किया है। उनसे अनुरोध किया गया है कि वे इन तीन दिनों के दौरान अपने सांसदों की सौ फीसदी मौजूदगी सुनिश्चित करें। पिछले दिनों संसद की कार्यवाही के दौरान राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे हमलावर दिखे थे। उन्होंने छात्र आंदोलन पर सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाए थे। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब विवादास्पद एफसीआरए संशोधन विधेयक पर चर्चा की खबरें आ रही हैं। माना जा रहा है कि सरकार अगले हफ्ते इस विधेयक को चर्चा और पारित कराने के लिए ला सकती है। इसके साथ ही परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को लेकर भी चर्चाओं का बाजार गर्म है। हालांकि, संसदीय कार्य राज्य मंत्री ने अगले हफ्ते के संभावित सरकारी कामकाज का ब्योरा देते समय स्थिति साफनहीं की। उन्होंने अपने बयान में एफसीआरए संशोधन विधेयक या

महिला आरक्षण व परिसीमन से जुड़े विधेयक का कोई जिक्र नहीं किया। इसके बावजूद विपक्ष कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने तीन लाइन का व्हिप जारी करते हुए कहा, 'सोमवार, मंगलवार और बुधवार यानी 10, 11 और 12 अगस्त 2026 को राज्यसभा में बेहद महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी।' उन्होंने निर्देश दिया, 'कांग्रेस के सभी राज्यसभा सदस्य 10, 11 और 12 अगस्त को सुबह 11 बजे से सदन की कार्यवाही स्थगित होने तक अनिवार्य रूप से मौजूद रहें। सभी सदस्य पार्टी के रुख का समर्थन करें। इसे अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाए।' ऐसा ही व्हिप लोकसभा में भी कांग्रेस सदस्यों के लिए जारी किया गया है। क्या हैं इस घटनाक्रम के पांच मुख्य बिंदु? कड़ा फरमान: कांग्रेस ने लोकसभा और राज्यसभा सांसदों के लिए तीन लाइन का सख्त व्हिप जारी किया। अनिवार्य उपस्थिति: 10, 11 और 12 अगस्त को सुबह 11 बजे से सदन स्थगित होने तक रहना होगा। विपक्षी एकजुटता: 'इंडिया' गठबंधन के सभी सहयोगी दलों से भी सांसदों की उपस्थिति पक्की करने को कहा। संभावित बिल: एफसीआरए संशोधन बिल और परिसीमन से जुड़े विधेयक पर चर्चा की संभावना। पार्टी का निर्देश: सभी सांसदों को बिना चुके सदन में उपस्थित रहकर पार्टी के रुख का समर्थन करने का आदेश।

### विरोधी हैं दुश्मन नहीं- राहुल गांधी से मिले किरेन रिजिजू,क्या थमेगा संसद का घमासान?

भारतीय राजनीति में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच अवसर तीखी नोकझोंक देखने को मिलती है, लेकिन हाल ही में एक ऐसी तस्वीर सामने आई जिसने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद रिजिजू का एक बयान सोशल मीडिया से लेकर सियासी गलियारों तक चर्चा का विषय बना हुआ है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, हम राजनीतिक विरोधी जरूर हैं, लेकिन दुश्मन नहीं। दिल्ली में हुई इस मुलाकात को किरेन रिजिजू ने काफी सकारात्मक बताया। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने साझा किया कि राहुल गांधी के साथ उनकी चर्चा काफी अच्छी रही।

# युवाओं को नशे से दूर रखकर स्वस्थ, सशक्त समाज निर्माण सामूहिक जिम्मेदारी : अबिनाश मिश्रा

**धमतरी।** कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले में नशामुक्ति अभियान के प्रभावी संचालन एवं जनभागीदारी को बढ़ाने के उद्देश्य से समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिला युवा अधिकारी श्रुति डोंगरे, समाज कल्याण विभाग, आयुष विभाग के अधिकारी, विभिन्न स्वयंसेवी एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि युवाओं को नशे की लत से बचाना केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यदि हम अधिक से अधिक बच्चों और युवाओं तक सकारात्मक संदेश पहुंचाने में सफल होंगे, तो धमतरी को एक स्वस्थ, जागरूक और नशामुक्त जिला बनाने का लक्ष्य सहज रूप से प्राप्त किया जा सकेगा। उन्होंने सामाजिक, धार्मिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं से इस जनअभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नशामुक्त भारत के आह्वान के अनुरूप जिले में एक सप्ताह का विशेष नशामुक्ति अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत प्रत्येक समाज एवं संस्था अपने स्तर पर सात दिवसीय जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेगी। उन्होंने बताया कि आर्ट ऑफ लिविंग सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा व्यक्तित्व विकास, जीवन कौशल, योग, ध्यान एवं सकारात्मक जीवनशैली पर आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कबीर समाज द्वारा मगरलोड एवं बोरई क्षेत्र में किए जा रहे जनजागरूकता कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने अन्य संस्थाओं से भी ऐसे प्रयासों को व्यापक बनाने का आग्रह किया। कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि विकसित भारत के लिए नशामुक्त युवा अभियान के अंतर्गत जिले में आगामी 100 सप्ताह तक सतत एवं चरणबद्ध जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इस अवधि में विद्यालयों, महाविद्यालयों, ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों, युवा एवं महिला समूहों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के समन्वय से नियमित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि नशामुक्ति का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे और यह अभियान एक जनआंदोलन का स्वरूप ग्रहण कर सके। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान प्रत्येक रविवार को विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे तथा सोशल मीडिया, जनसंपर्क माध्यमों एवं स्थानीय स्तर पर व्यापक प्रचार.प्रसार किया जाएगा। स्कूलों एवं महाविद्यालयों में चित्रकला, निबंध, भाषण, रैली, वॉल पेंटिंग, नुक्कड़ नाटक, फिजिकल ट्रेनिंग, सेल्फ डिफेंस, मोबाइल एडिक्शन जागरूकता, योग एवं परामर्श सत्र जैसी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही युवाओं, पालकों और शिक्षकों की सहभागिता सुनिश्चित कर नशे के दुष्परिणामों के प्रति व्यापक जनजागरूकता विकसित की जाएगी। बैठक में अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने, विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय स्थापित करने तथा सामाजिक संस्थाओं की सहभागिता से प्रत्येक विकासखंड में प्रभावी गतिविधियां आयोजित करने पर विस्तृत चर्चा की गई।

# मुख्यमंत्री से मिले प्रतिनिधि मंडल रंजना साहू के नेतृत्व में सौंपा मांगपत्र

## साहू समाज तेलीनसत्ती, भानपुरी परिक्षेत्र भवन निर्माण की मांग

**धमतरी।** साहू समाज तेलीनसत्ती-भानपुरी परिक्षेत्र के लिए समाज भवन निर्माण की लंबे समय से चली आ रही मांग को लेकर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू के नेतृत्व में परिक्षेत्र के पदाधिकारियों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुख्यमंत्री निवास रायपुर में सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने समाज की ओर से मांगपत्र सौंपते हुए तेलीनसत्ती-भानपुरी परिक्षेत्र भवन के निर्माण हेतु आवश्यक स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि साहू समाज तेलीनसत्ती-भानपुरी परिक्षेत्र सामाजिक सांस्कृतिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों में लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहा है। समाज के विभिन्न कार्यक्रमों, बैठकों, प्रतिभा सम्मान समारोह सामाजिक जागरूकता एवं सामूहिक आयोजनों के लिए स्थायी भवन की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है। भवन के निर्माण से समाज के लोगों को एक सशक्त मंच उपलब्ध होगा तथा सामाजिक एकता और संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि समाज भवन केवल एक भवन नहीं बल्कि सामाजिक समरसता सांस्कृतिक संरक्षण और भावी पीढ़ी के मार्गदर्शन का केंद्र बनेगा उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश सरकार समाज की इस महत्वपूर्ण एवं जनहितकारी मांग पर सकारात्मक निर्णय लेकर समाज की वर्षों पुरानी अपेक्षा को पूर्ण करेगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और समाज की मांग पर सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सभी समाजों के विकास एवं सामाजिक अधोसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा इस मांग का नियमानुसार परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान परिक्षेत्र अध्यक्ष गोवर्धन साहू तहसील अध्यक्ष ग्रामीणद्ध चिरौंजी साहू संरक्षक नंदकुमार साहू संरक्षक केशव साहू कोषाध्यक्ष हजारीलाल साहू एवं सचिव सतीश साहू उपस्थित रहे।

## विप्र-सुरभि का भव्य विमोचन : सर्व ब्राह्मण समाज के इतिहास में जुड़ा स्वर्णिम अध्याय

**बलौदाबाजार।** सर्व ब्राह्मण समाज, बलौदा बाजार द्वारा समाज की प्रथम स्मारिका एवं वार्षिक पत्रिका विप्र-सुरभि का भव्य विमोचन समारोह पंडित वाल्मीकि शुक्ला स्मृति विप्र वाटिका में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समाज के इतिहास में इस आयोजन को एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। समारोह में समाज के वरिष्ठजनों, महिलाओं, युवाओं एवं गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूज्य पंडित रामसुंदर दास जी थे। अध्यक्षता सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पंडित श्याम कुमार शुक्ला ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में प्रभा शुक्ला, पंडित रामकुमार शुक्ला, समाज के पूर्व अध्यक्ष अशोक तिवारी तथा अंबुजा विद्यालय के प्राचार्य संजय पांडे यू.के. मिश्रा नरेंद्र मिश्रा एस पी पांडेय मंचासीन रहे। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। सर्व ब्राह्मण समाज महिला विंग की अध्यक्ष रिचा द्विवेदी के नेतृत्व में महिला प्रकोष्ठ ने भी अतिथियों का सम्मान कर कार्यक्रम की गरिमा में चार चाँद लगा दिए। अपने अध्यक्ष उद्बोधन में पंडित श्याम कुमार शुक्ला ने कहा कि विप्र-सुरभि केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि समाज की संस्कृति, परंपरा, उपलब्धियों और भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा का सशक्त दस्तावेज है। उन्होंने पत्रिका के संपादक मंडल एवं सभी सहयोगियों की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए कहा कि उनके अथक परिश्रम और समर्पण से यह सपना साकार हो पाया है। मुख्य अतिथि पंडित रामसुंदर दास जी ने अपने उद्बोधन में ब्राह्मण समाज की गौरवशाली परंपरा, ज्ञान, संस्कार एवं राष्ट्र निर्माण में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समाज तभी प्रगति करता है जब वह अपनी संस्कृति, इतिहास और वैचारिक विरासत को संजोकर रखता है। विप्र-सुरभि का प्रकाशन इसी दिशा में एक अनुकरणीय और ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि यह दिन सर्व ब्राह्मण समाज के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित रहेगा। इस अवसर पर उन्होंने समाज के अध्यक्ष पंडित श्याम कुमार शुक्ला को जन्मदिवस की शुभकामनाएँ एवं आशीर्वाद भी प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान विप्र-सुरभि पत्रिका का विधिवत विमोचन करते ही सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उपस्थित समाजजनों ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए संपादक मंडल एवं समाज के पदाधिकारियों को बधाई दी। कार्यक्रम का सफल एवं प्रभावी संचालन समाज के कोषाध्यक्ष पंडित विष्णुघर दीवान ने किया, जबकि अंत में समाज के सचिव पंडित सुशील तिवारी ने सभी अतिथियों, सहयोगियों, संपादक मंडल, महिला विंग एवं उपस्थित समाजजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह में समाज के वरिष्ठजन, युवा, महिलाएँ एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में सामाजिक एकता, सांस्कृतिक गौरव और संगठनात्मक शक्ति का अनुपम स्वरूप देखने को मिला।

## कौशल प्रशिक्षण हेतु आवेदन आमंत्रित

**गरियाबंद।** जिले के बेरोजगार युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के लिए लाईवलीहुड कॉलेज, गरियाबंद द्वारा मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना एवं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत विभिन्न ट्रेडों में निःशुल्क आवासीय कौशल प्रशिक्षण के लिए आवेदन मंगाए गए हैं। लाईवलीहुड कॉलेज के सहायक परियोजना अधिकारी ने बताया कि प्रशिक्षण के लिए टैक्सी ड्राइवर, सुरक्षा गार्ड, सेल्सपर्सन (वितरण), ग्रामीण राजमिस्त्री, जल वितरण संचालक, आपातकालीन चिकित्सा तकनीशियन (बेसिक), बायोमेडिकल उपकरण रखरखाव सहायक (हेल्थकेयर), बांस का काम करने वाला कारीगर, फोर व्हीलर सर्विस असिस्टेंट तथा डोमेस्टिक आईटी हेल्पडेस्क अटेंडेंट सहित अन्य ट्रेडों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

# सूने मकान में चोरी का 24 घंटे में खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

**धमतरी।** पुलिस अधीक्षक धमतरी, भावना पांडेय के निर्देशन में धमतरी पुलिस द्वारा जिले में चोरी एवं संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा लंबित मामलों में त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने सूने मकान में हुई चोरी के मामले का त्वरित खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का मशरूका बरामद किया है। प्रार्थी भावेश जैन द्वारा थाना सिटी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि 03 अगस्त की रात्रि में अज्ञात चोर उसके सूने मकान में प्रवेश कर आलमारी में रखी सोने की चैन, सोने की अंगूठी एवं नगदी रकम कुल लगभग 2,29,000 रूपये चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 179/2026, धारा 331-4, 305-ए, 3-5 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण, गवाहों के कथन एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि दो संदिग्ध व्यक्ति चोरी के जेवरात को बेचने की फिराक में महिमा सागर वार्ड, शराब भट्ठी रोड क्षेत्र में घूम रहे हैं।
सूचना पर पुलिस टीम ने गवाहों के साथ मौके पर पहुंचकर संदिग्धों को घेराबंदी कर पकड़ा। पूछताछ में दोनों की पहचान गोपाल कृष्णा यादव उर्फ बिक्कू 21 वर्ष, निवासी शांति कॉलोनी चौक, धमतरी एवं ललित सोना 28 वर्ष, निवासी महंत घासीदास वार्ड, जालमपुर, धमतरी के रूप में हुई। पूछताछ एवं मेमोरेण्डम कथन के आधार पर आरोपियों से जप्त मशरूका सोने की चैन अनुमानित कीमत 1,75,000 रूपये, सोने की अंगूठी वजन लगभग 07 ग्राम अनुमानित कीमत 35,000 रूपये नगदी रकम 300 रूपये, कुल जप्त मशरूका की अनुमानित कीमत 2,10,300 रूपये गवाहों के समक्ष विधिवत जप्त किया एवं दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। धमतरी पुलिस द्वारा संपत्ति संबंधी अपराधों में त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपियों की पतासाजी, गिरफ्तारी एवं चोरी के माल की बरामदगी के लिए लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।

# झेरिया यादव समाज की बैठक में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनाने बनी रुपरेखा

**भंवरपुर।** झेरिया यादव समाज बसना-सरायपाली की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को बसना में संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के आयोजन की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा करना रहा। बैठक में समाज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस दौरान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को धार्मिक एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाने के लिए विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। आयोजन स्थल की व्यवस्था, पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन, झांकी, प्रसाद वितरण तथा समाज के सभी लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर विशेष चर्चा हुई। बैठक में केन्द्रीय अध्यक्ष जगत राम यादव, केन्द्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष बालक राम यादव, कोषाध्यक्ष खुलुराम यादव, बसना तहसील अध्यक्ष नरेन्द्र यादव, उपाध्यक्ष सतीस यादव, कोषाध्यक्ष अलेक राम यादव, सचिव कुंजराम यादव, शहर अध्यक्ष जोतराम यादव नंदलाल यादव,पुरन यादव,यदुमाणी यादव,मनोहर यादव, ठंडा राम यादव,जीवन यादव, मोहन यादव, डायमंड यादव,सकरा अध्यक्ष,समारु यादव एवं पदाधिकारियों ने समाज के सभी सदस्यों से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन सत्य, धर्म, कर्म और मानव सेवा की प्रेरणा देता है तथा ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में एकता, भाईचारा और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने का कार्य करते हैं। बैठक का समापन समाज की एकजुटता एवं सफल आयोजन की शुभकामनाओं के साथ किया गया। सभी सदस्यों ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को भव्य एवं यादगार बनाने का संकल्प लिया।

# एनालॉग पनीर निर्माण व विक्रय प्रतिबंधित,खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने चलाया सघन जांच अभियान

**बलौदाबाजार।** छत्तीसगढ़ शासन खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जारी हालिया प्रतिषेध आदेश के तहत राज्य में फ्रोजन डेजर्ट, प्रोसेस्ड चीज़ और मिक्स्ड फेट स्प्रेड जैसी मानकीकृत श्रेणियों को छोड़कर असली पनीर की नकल करने वाले सभी वनस्पति वसायुक्त गैर-दुग्ध एनालॉग पनीर के विनिर्माण, भंडारण, परिवहन और विक्रय पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा डेयरी एवं दुग्ध संग्रहण केन्द्रों का सघन निरीक्षण एवं जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को भाटापारा के विभिन्न प्रतिष्ठानों में एनालॉग पनीर की उपलब्धता की सघन जांच की गई।
निरीक्षण के दौरान लाल बहादुर शास्त्री बार्ड, पटपर स्थित नर्मदा दूध संकलन केंद्र की भी जांच की गई, जहां परिसर में स्वच्छता संबंधी कमियां पाई गई। इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 32 के तहत प्रतिष्ठान को कड़ी चेतावनी के साथ सुधार नोटिस जारी किया गया है। होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों और डेयरी संचालकों को निर्देशित किया गया है कि वे असली डेयरी पनीर के नाम पर उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार का कृत्रिम या एनालॉग पनीर न परोसें। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के दिशा-निर्देशानुसार, जिला खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा भाटापारा शहर में एक विशेष आई.ई.सी.गतिविधि का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्थानीय खाद्य कारोबारकर्ताओं को स्वच्छ, सुरक्षित और मानक ग्तर के खाद्य पदार्थों के विक्रय के प्रति जागरूक करना था। अभियान के दौरान साथ सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने भाटापारा शहर के विभिन्न मुख्य बाजारों, मिष्ठान भंडारों, डेयरी दुकानों, किराना स्टोर्स और होटल संचालकों से सीधा संपर्क किया। अधिकारियों ने कारोबारकर्ताओं को खाद्य गुरक्षा से संबंधित विशेष रूप से तैयार किए गए सूचनात्मक पंपलेट वितरित किए और उनका बारीकी से अध्ययन कराया।सभी विक्रेताओं को अपनी कमियों को तुरंत सुधारने की सलाह दी गई है, ऐसा न करने पर भविष्य में वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

# सभापति मोनिका देवांगन ने मातृ, शिशु स्वास्थ्य जागरूकता का दिया संदेश

**धमतरी।** विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर एकीकृत महिला एवं बाल विकास परियोजना के द्वारा ग्राम मुजगहन स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-2 में बाल मेला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 0 से 3 वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंजीयन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए कुल 10 गतिविधि काउंटर लगाए गए, जिनमें पंजीयन, शारीरिक विकास, बौद्धिक विकास, भाषा विकास, सामाजिक एवं भावनात्मक विकास, पोषण, टीकाकरण, माता सहायता, हाथों का कमाल तथा खेल जगत शामिल थे। प्रत्येक काउंटर पर माताओं को बच्चों के विकास से संबंधित व्यवहारिक जानकारी दी गई तथा खेल-खेल में सीखने की विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। बाल मेले में बच्चों एवं माताओं ने बिंदी लगाओ, गुब्बारा फुलाओ तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता जैसी रोचक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी के बच्चों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति भी दी गई, जिसे उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम के दौरान माताओं को स्तनपान के महत्व, जीवन के प्रथम 1000 दिनों की अहमियत, संतुलित पोषण, समय पर टीकाकरण, नियमित स्वास्थ्य जांच तथा आंगनबाड़ी केंद्र से जुड़े रहने के लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही बच्चों के समग्र विकास के लिए घर पर सुरक्षित, सकारात्मक एवं सीखने का अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महिला एवं बाल विकास विभाग की सभापति मोनिका देवांगन उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों में सीडीपीओ प्राची शर्मा, सुपरवाइजर प्रतिमा, ऋषभ देवांगन, जनपद सदस्य कीर्तन मीनपाल, जनपद सदस्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की सभापति देहुती, पूर्व जनपद सदस्य मनीषा साहू तथा ग्राम सरपंच होमेश्वर साहू की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके अतिरिक्त दोनों आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्यकर्ता बहनों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। प्रथम संस्था की ओर से सुमन जैन, पूनम साहू, कोमल गुप्ता एवं कुसुम साहू उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन सभी अतिथियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, माताओं एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित करते हुए किया गया। आयोजन ने विश्व स्तनपान सप्ताह के उद्देश्य को सार्थक करते हुए मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण तथा प्रारंभिक बाल विकास के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

## अवैध रुप से मदिरा के साथ 1 आरोपी गिरफ्तार 9.18 बल्क लीटर देशी मदिरा मसाला जब्त

तिल्दा-नेवरा। अवैध रूप से मदिरा धारण की सूचना पर वार्ड न 02 ग्राम ताराशिव थाना तिल्दा निवासी संजय वर्मा पिता प्रहलाद वर्मा के रिहायशी मकान में दबिश देकर 51 नग पाव देशी मदिरा मसाला (सवा शेरा) बरामद कर जप्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध छ.ग.आब.अधिनियम की धारा 34(1)(क), 34(2), 59(क)के तहत प्रकरण कायम कर गिरफ्तार किया गया। उक्त प्रकरण आबकारी उपनिरीक्षक वृत्त तिल्दा मेघा मिश्रा द्वारा पंजीबद्ध किया गया। उक्त कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक प्रीति कुशवाहा आबकारी आरक्षक जितेन्द्र मिश्रा, अमिताभ ध्रुव, कृष्णकांत गढ़ेवाल, रूपाली तिवारी और वाहन चालक रेवाराम का विशेष योगदान रहा।

## झेरिया यादव समाज महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष बनीं सैलाना बी एल यादव, समाज सेवा और महिला सशक्तिकरण का लिया संकल्प

सरायपाली। झेरिया यादव समाज महिला प्रकोष्ठ की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष सैलाना यादव (गृह ग्राम सलनी जैजैपुर जिला शक्ति, कार्यस्थल (कोरबा ,दीपका) ने अपनी नियुक्ति पर समाज के सभी पदाधिकारियों एवं मातृशक्ति के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रांतीय अध्यक्ष जगनिक यादव, भगत सिंह यादव, झेरिया यादव समाज (पंजीयन क्रमांक 5066) की प्रदेश प्रबंधकारिणी, सभी जिला अध्यक्षों, महानगर, नगर, तहसील, केंद्र एवं परिक्षेत्र के पदाधिकारियों तथा समाज की मातृशक्ति ने उन पर विश्वास जताकर जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, उसके लिए वे सभी की हृदय से आभारी है। सैलाना यादव ने विश्वास दिलाया कि वे प्रदेश अध्यक्ष के दायित्व का पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करेंगी।

## संक्षिप्त समाचार

### रायपुर रेलवे स्टेशन पर 500 किलो संदिग्ध पनीर जब्त, जांच के लिए भेजे गए सैंपल

**रायपुर ।** राजधानी रायपुर के रेलवे स्टेशन स्थित पार्सल परिसर में बुधवार को करीब 500 किलो संदिग्ध पनीर जब्त किया गया। पनीर की गुणवत्ता और शुद्धता को लेकर संदेह होने पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन (पूड विभाग) की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, संदिग्ध पनीर अमरकंटक एक्सप्रेस से रेलवे पार्सल परिसर पहुंचा था। खाद्य विभाग ने पनीर के नमूने लेकर उन्हें प्रयोगशाला जांच के लिए भेज दिया है। रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि पनीर असली है या नकली और मानव उपभोग के लिए सुरक्षित है या नहीं। फिलहाल पनीर के मालिक की पहचान नहीं हो सकी है। खाद्य विभाग के अधिकारी पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। यदि जांच में पनीर खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं पाया जाता है तो संबंधित लोगों के खिलाफखाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश में एनालॉग पनीर पर पहले ही लग चुका है प्रतिबंध गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने हाल ही में प्रदेश में एनालॉग पनीर के कारोबार और बिक्री पर प्रतिबंध लगाया है। पिछले एक वर्ष के दौरान रायपुर में मिलावटी और एनालॉग पनीर के खिलाफकई बड़ी कार्रवाई की जा चुकी हैं। जुलाई 2025 में बिरगांव स्थित काशी एग्रो फूड्स फैक्ट्री से करीब 2,500 किलो संदिग्ध/एनालॉग पनीर जब्त कर फैक्ट्री को सील किया गया था।

### राजवाड़ा ढाबा थाली रेस्टोरेंट पर नगर निगम की कार्रवाई, गंदगी मिलने पर 25 हजार का ई-जुर्माना

**रायपुर।** राजधानी में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर नगर निगम ने सख्त कार्रवाई करते हुए पचपेड़ीनाका स्थित राजवाड़ा ढाबा थाली रेस्टोरेंट पर 25 हजार रुपये का ई-जुर्माना लगाया है। कार्रवाई स्वच्छता संबंधी जनशिकायत की जांच के दौरान गंदगी और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर की गई। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर जोन क्रमांक-10 के जोन कमिश्नर मोनेश्वर शर्मा के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने रेस्टोरेंट का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परिसर में गंदगी मिलने के साथ ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का उल्लंघन पाया गया। शिकायत सही पाए जाने पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित बेहरा ने स्वच्छता निरीक्षक यशवंत बेरिहा, अनिल झा और स्वच्छता दीदियों की मौजूदगी में रेस्टोरेंट संचालक पर 25 हजार रुपये का ई-जुर्माना लगाया। साथ ही भविष्य में स्वच्छता नियमों का कड़ाई से पालन करने की चेतावनी भी दी गई। नगर निगम ने बताया कि जनशिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले का मौके पर ही निराकरण किया गया। निगम प्रशासन ने सभी होटल, ढाबा और रेस्टोरेंट संचालकों से स्वच्छता बनाए रखने तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का पालन करने की अपील की है।

### भाठागांव में एक एकड़ भूमि पर हो रही अवैध प्लाटिंग पर निगम की कार्रवाई, डीपीसी और सीसी ब्लॉक हटाए

**रायपुर।** रायपुर नगर पालिक निगम के जोन-5 नगर निवेश विभाग ने भाठागांव स्थित उत्तम सिटी के पीछे लगभग एक एकड़ भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मौके पर बनाई गई पूरी डीपीसी और सीसी ब्लॉक को हटाकर निर्माण कार्य पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी। यह कार्रवाई नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर जोन-5 जोन कमिश्नर खीरसागर नायक के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई के दौरान कार्यपालन अभियंता लाल महेंद्र प्रताप सिंह, सहायक अभियंता नागेश्वर राव रामटेके तथा उप अभियंता टिकेंद्र चंद्राकर की मौजूदगी में नगर निवेश विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध प्लाटिंग के लिए किए गए निर्माण को हटाया और आगे किसी भी प्रकार के अवैध विकास कार्य पर प्रभावी रोक सुनिश्चित की। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि शहर में बिना अनुमति की जा रही अवैध प्लाटिंग और निर्माण कार्यों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

### धमतरी पुलिस का अवैध शराब कारोबार पर प्रहार

**रायपुर।** पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना पांडेय के निर्देश पर धमतरी जिले में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सिटी कोतवाली और अर्जुनी थाना पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों मामलों में शराब, नगदी और अन्य सामग्री सहित कुल 27,510 रुपये का मशरूका जब्त किया है। धमतरी पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब की बिक्री, परिवहन और सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन कराने वालों के खिलाफजीरो टॉलरेंस नीति के तहत लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। मुखबिर की सूचना पर सिटी कोतवाली पुलिस ने सिंधी समाज श्मशान घाट के सामने, नहर नाका दानीटोला वार्ड में दबिश देकर दीव्यांशु सिंह को अवैध रूप से देशी शराब बेचते हुए रंगे हाथ पकड़ा।

---

**मुख्यमंत्री ने 'मेरी बेटी-मेरा अभिमान' अभियान का किया शुभारंभ**

# हर गांव में मुक्तिधाम और हर बालिका के लिए स्कूलों में बनेगा शौचालय.....

- वीबी-जी राम जी मिशन से ग्रामीण विकास को मिलेगी नई गति, 6,855 करोड़ रुपए से रोजगार और आधारभूत सुविधाओं का होगा विस्तार
- 6,671 बालिका शौचालय, 6,524 मुक्तिधाम-प्रतीक्षालय, 10,027 डिफंक्ट बोरवेल में बनेंगे रिचार्ज पिट

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज महानदी भवन, नवा रायपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता में विकसित भारतङ्करोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी राम जी के अंतर्गत राज्यव्यापी 'मेरी बेटीङ्कमेरा अभिमान' अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने घोषणा की कि 15 अगस्त 2026 से 26 जनवरी 2027 तक चलने वाले इस विशेष अभियान के दौरान प्रदेश के प्रत्येक गांव में मुक्तिधाम एवं प्रतीक्षालय का निर्माण सुनिश्चित किया जाएगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों के सभी शासकीय विद्यालयों में बालिकाओं के लिए शौचालयों का निर्माण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान बेटियों के सम्मान, ग्रामीण स्वच्छता, सामाजिक गरिमा और आधारभूत सुविधाओं को सशक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार का ऐतिहासिक कदम है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के शासकीय विद्यालयों में 286.85 करोड़ रुपए की लागत से 6,671 बालिका शौचालयों का निर्माण किया जाएगा। प्रत्येक शौचालय की लागत 4.30 लाख रुपए निर्धारित की गई है। इसी प्रकार प्रदेश के 6,524 गांवों में 391.44 करोड़ रुपए की लागत से प्रतीक्षालय सहित मुक्तिधाम बनाए जाएंगे, जिनकी प्रति इकाई लागत 6 लाख रुपए होगी। इसके अतिरिक्त 18.22 करोड़ रुपए की लागत से 549 मुक्तिधामों का भी निर्माण किया जाएगा, जिनकी प्रति इकाई लागत 3.32 लाख रुपए निर्धारित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य के 10,027 बंद अथवा डिफंक्ट बोरवेलों में 52.14 करोड़ रुपए की लागत से सैंड फिल्टर एवं रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण कराया जाएगा। प्रति इकाई लागत लगभग 52 हजार रुपए निर्धारित की गई है। इससे भू-जल स्तर में वृद्धि होगी, वर्षा जल का बेहतर संरक्षण होगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन सभी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल स्वीकृत कर शीघ्र प्रारंभ कराया जाए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वीबी-जी राम जी योजना पूरे देश में 1 जुलाई 2026 से लागू हुई है। योजना के अंतर्गत सभी विकास कार्यों का चयन ग्राम सभा की स्वीकृति से किया जाएगा तथा मजदूरी की दर बढ़ाकर 300 रुपए प्रतिदिन कर दी गई है। उन्होंने कहा कि यह योजना प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारतङ्क2047' के संकल्प को गांव-गांव तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगी। उन्होंने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में मनरेगा और वीबी-जी राम जी के माध्यम से राज्य को लगभग 6,855 करोड़ रुपए प्राप्त होंगे, जो ग्रामीण रोजगार और विकास कार्यों के लिए राज्य में अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय निवेश है।

---

# समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाएगी कलश यात्रा-रंजना साहू

**रायपुर।** राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में 'समरसता संकल्प अभियान' के अंतर्गत आयोजित प्रदेश स्तरीय कलश वंदन वितरण कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू शामिल हुईं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के साथ कलश यात्रा वाहन को झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर काशी से लाई गई पावन माटी से युक्त कलशों का विधिवत पूजन एवं वंदन किया गया। यह कलश यात्रा प्रदेश के सभी जिलों में भ्रमण कर संत गुरु रविदास महाराज के समरसता, समानता, प्रेम, सामाजिक सद्भाव और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाएगी। अभियान का उद्देश्य समाज में सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करना तथा संत रविदास जी के विचारों से नई पीढ़ी को जोड़ना है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडे, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, कैबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा, गुरु खुशवंत साहेब, लक्ष्मी रजवाड़े, प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी एवं मंचस्थ संतों का मार्गदर्शन सभी को प्राप्त हुआ। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू ने इस विषय पर कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज ने अपने जीवन और वाणी के माध्यम से समाज को समानता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज को एक सूत्र में जोड़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि समरसता संकल्प अभियान केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने का व्यापक जनआंदोलन है। काशी की पावन माटी से निकली यह कलश यात्रा पूरे प्रदेश में सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता का संदेश लेकर जाएगी तथा प्रत्येक नागरिक को संत रविदास जी के आदर्शों से जोड़ने का कार्य करेगी।

---

# सिंचाई विभाग के 2524 करोड़ के प्रोजेक्ट में आएगी अब गति

- सिकासार-कोडार के टेंडर में बड़ी राहत, हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

रायपुर। संवाददाता

सिकासार-कोडार इंटरलिंकिंग परियोजना के लगभग 2524 करोड़ रुपए के टेंडर को लेकर चल रही खींचतान में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। टेंडर की पात्रता और प्रक्रिया को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट पहुंची कंपनी की याचिका खारिज हो गई है। परियोजना में दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड (डीबीएल) 2524.32 करोड़ रुपए की बोली के साथ एल-1 घोषित हुई थी। इसके बाद तकनीकी पात्रता में बाहर हुई कंपनी ने टेंडर प्रक्रिया को अदालत में चुनौती दी थी। अब याचिका खारिज होने के बाद फिलहाल विभाग की टेंडर प्रक्रिया और डीबीएल की एल-1 स्थिति को कानूनी राहत मिली है। यह वही मामला है जिसमें पात्रता की कड़ी शर्तों, अनुभव और वित्तीय क्षमता को लेकर विवाद खड़ा हुआ था। विभाग का पक्ष था कि करीब ढाई हजार करोड़ की इस परियोजना के लिए पर्याप्त तकनीकी अनुभव और वित्तीय क्षमता वाली एजेंसी जरूरी है। सिकासार-कोडार लिंक परियोजना में औसत टर्नओव्हर दूगुना का प्रावधान किया गया है। उदाहरण के तौर पर उक्त संबंध में केन-बेतवा लिंक परियोजना का निविदा जो भारत सरकार के जल शक्ति विभाग के द्वारा जारी किया गया था। जिसमें औसत टर्नओव्हर 2.50 गुना का प्रावधान किया गया था। जिसके अतिरिक्त अन्य कार्य में भी 2 से 2.50 गुना तक प्रावधान किया गया था। अतः सिकासार-कोडार लिंक परियोजना में स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा बढ़ाने एवं सक्षम निविदाकार प्राप्त करने के उद्देश्य से 2 गुना प्रावधान किया गया था।

---

## प्रतिबंधित एनालॉग पनीर जब्त, डेयरी का लाइसेंस निलंबित खाद्य एवं औषधि प्रशासन की विशेष जांच अभियान में बड़ी कार्रवाई



---

**नई बोलरों वाहनों के उपयोग को लेकर सवाल उठाया**

# मैदानी अमलों के लिए मिली वाहनों का निजी उपयोग : विनोद चंद्राकर..

रायपुर/ संवाददाता

पूर्व संसदीय सचिव, छ.ग. शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने शासन द्वारा स्वास्थ्य विभाग को आवंटित 4 नई बोलरों वाहनों के उपयोग को लेकर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने जुलाई 2025 में ढोल-नगाड़ों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने का दावा किया था। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने प्रदेश भर के स्वास्थ्य विभाग को 151 नए विभागीय वाहन सौंपे थे। कहा गया था कि इन वाहनों से ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों में स्वास्थ्य योजनाओं की निगरानी होगी, त्वरित चिकित्सा सुविधा मिलेगी। प्रधानमंत्री जन-मन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजातियों तक स्वास्थ्य पहुंचाने के लिए महासमुंद जिले को भी 4 नई बोलेरो वाहन क्रमांक सीजी 02 एयू 2589, 2590, 2591, 2592 दी गईं थी। लेकिन जमीनी हकीकत शासन के दावों से कोसों दूर है। शासन ने बोलेरो तो उपलब्ध करा दी लेकिन उसका नियमित मॉनिटरिंग करना भूल गई। निगरानी के अभाव में विभागीय अधिकारी शासन की मंशा पर पानी फेर रहे हैं। श्री चंद्राकर ने बताया कि इस मनमानी का सबसे बड़ा उदाहरण मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, महासमुंद का कार्यालय है। 22 जुलाई 2025 को संचालनालय द्वारा स्पष्ट आदेश जारी हुआ था कि ये वाहन फील्ड कार्य, निगरानी और आपातकालीन सेवाओं के लिए हैं।

---

### जुए के फड़ पर पुलिस का छापा, 3 जुआरी गिरफ्तार, 3.83 लाख की संपत्ति जब्त

**रायपुर।** महासमुंद पुलिस ने ग्राम बेमचा के पनखटिया तालाब किनारे संचालित जुए के फड़ पर बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन जुआरियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 31,980 रुपये नकद, 11 मोटरसाइकिल, 4 मोबाइल फोन सहित कुल 3 लाख 83 हजार 980 रुपये की संपत्ति जब्त की है। वहीं अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हुए 10 आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, 4 अगस्त की रात करीब 9:30 बजे मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम बेमचा स्थित पनखटिया तालाब के पास 52 पत्ती ताश पर हार-जीत का जुआ खेला जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके की घेराबंदी कर जुए के फड़ पर दबिश दी। अचानक हुई पुलिस कार्रवाई से जुआरियों में भगदड़ मच गई। अंधेरे का लाभ उठाकर इंद्रा, संदीप, पूनाराम सहित 10 आरोपी मौके से फरार हो गए, जबकि पुलिस ने सालिक राम चंद्राकर, राजकुमार निषाद और दीपक चंद्राकर को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने फड़ और आरोपियों के कब्जे से 31,980 रुपये नकद, 4 स्मार्टफोन तथा मौके पर खड़ी 11 मोटरसाइकिलें जब्त कीं।

---

# सावन में फिर सक्रिय मानसून चार दिन बारिश के आसार.....

- उत्तरी छत्तीसगढ़ में पड़ेगा सबसे ज्यादा असर, मौसमी वर्षा सामान्य से लगभग 7 प्रतिशत कम

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में सावन के बीच मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मजबूत मौसम तंत्र के प्रभाव से अगले चार दिनों तक प्रदेश में बारिश की गतिविधियां तेज रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार रायपुर समेत अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होगी, जबकि कुछ स्थानों पर भारी बारिश, गरज-चमक और वज्रपात की आशंका है। पिछले 24 घंटों में प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश दर्ज की गई, जिसमें उत्तरी छत्तीसगढ़ सबसे अधिक प्रभावित रहा। हालांकि अब तक पूरे प्रदेश में मौसमी बारिश सामान्य से करीब 7 प्रतिशत कम रिकॉर्ड की गई है। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी और आसपास सक्रिय मौसम प्रणालियों के कारण छत्तीसगढ़ में मानसून को फिर मजबूती मिली है। इसके असर से 4 अगस्त से अगले चार दिनों तक बारिश का दायरा और तीव्रता बढ़ने की संभावना है। कई जिलों में तेज बारिश के साथ बिजली गिरने की घटनाएं भी हो सकती हैं। लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी गई है। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के अधिकांश जिलों में बारिश हुई। सबसे अधिक वर्षा उत्तरी छत्तीसगढ़ के इलाकों में दर्ज की गई।

---

**दुर्ग के रितेश कुमार सोनी को मिली मासिक बिजली बिल की चिंता से राहत**

# स्मार्ट मीटर और मोर बिजली ऐप से आसान हुआ बिजली प्रबंधन

- रियल टाइम बिजली खपत की जानकारी से बढ़ी पारदर्शिता, ऊर्जा बचत की आदत भी हुई विकसित

रायपुर/ संवाददाता

आधुनिक तकनीक के उपयोग से अब बिजली उपभोक्ताओं के लिए बिजली की खपत पर नजर रखना और खर्च का प्रबंधन करना पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है। स्मार्ट मीटर और 'मोर बिजली' मोबाइल ऐप उपभोक्ताओं को वास्तविक समय में बिजली उपयोग की जानकारी उपलब्ध कराकर न केवल पारदर्शिता बढ़ा रहे हैं, बल्कि ऊर्जा संरक्षण और आर्थिक बचत के लिए भी प्रेरित कर रहे हैं। दुर्ग शहर के वार्ड क्रमांक 9, गिरधारी नगर निवासी श्री रितेश कुमार सोनी इसका सफल उदाहरण हैं, जिनके घर में स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिल को लेकर होने वाली चिंता लगभग समाप्त हो गई है। श्री रितेश कुमार सोनी बताते हैं कि पहले उन्हें पूरे महीने बिजली उपयोग का सही अनुमान नहीं लग पाता था। बिजली बिल आने के बाद ही वास्तविक खपत का पता चलता था और कई बार अपेक्षा से अधिक बिल आने पर परेशानी होती थी। लेकिन स्मार्ट मीटर लगने के बाद स्थिति पूरी तरह बदल गई है। अब वे 'मोर बिजली' मोबाइल ऐप के माध्यम से प्रतिदिन और प्रति घंटे अपने घर की बिजली खपत की जानकारी आसानी से देख सकते हैं। ऐप पर यह भी स्पष्ट दिखाई देता है कि किस समय बिजली की खपत अधिक हुई और किस समय कम, जिससे वे अनावश्यक बिजली उपयोग की पहचान कर उसे तुरंत नियंत्रित कर लेते हैं। रितेश कुमार सोनी का कहना है कि स्मार्ट मीटर का सबसे बड़ा लाभ यह है कि अब बिजली बिल को लेकर अनिश्चितता नहीं रहती। मोबाइल ऐप पर प्रतिदिन बिजली की खपत दिखाई देने से उन्हें पहले ही यह अनुमान हो जाता है कि महीने का बिजली बिल कितना आ सकता है। इससे वे अपनी आवश्यकता के अनुसार बिजली उपयोग को नियंत्रित कर आर्थिक बचत भी कर रहे हैं। 'मोर बिजली' ऐप की एक विशेष सुविधा यह भी है कि इसमें पिछले वर्ष की समान अवधि की बिजली खपत की जानकारी उपलब्ध रहती है। इससे उपभोक्ता आसानी से तुलना कर सकते हैं कि उनकी बिजली खपत बढ़ी है या कम हुई है। रितेश कुमार सोनी इस सुविधा का उपयोग कर ऊर्जा संरक्षण के उपाय अपनाते हैं। वे अनावश्यक लाइट और पंखे बंद रखते हैं, ऊर्जा दक्ष उपकरणों का उपयोग करते हैं तथा बिजली का सोच-समझकर उपयोग करते हैं। रितेश बताते हैं कि स्मार्ट मीटर और मोबाइल ऐप के उपयोग से उनके पूरे परिवार में बिजली बचाने की आदत विकसित हुई है। परिवार के सदस्य अब ऊर्जा संरक्षण के प्रति अधिक जागरूक हो गए हैं। बच्चे भी समझने लगे हैं कि छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर बिजली की बचत की जा सकती है और इससे मासिक खर्च भी कम होता है। श्री रितेश कुमार सोनी का मानना है कि स्मार्ट मीटर केवल बिजली मापने का उपकरण नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं को जागरूक बनाने वाला प्रभावी माध्यम है। वास्तविक समय में उपलब्ध जानकारी से उपभोक्ता अपनी बिजली खपत पर नियंत्रण रख सकता है, अनावश्यक उपयोग कम कर सकता है और ऊर्जा संरक्षण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

# संपादकीय

## पीओके में सरकारी दमन हो रहा है, दखल दे दुनिया

भारत ने पीओके में सरकारी दमन रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है। पाकिस्तानी सरकार की कार्रवाई में 40 नागरिकों की मौत हुई है, जबकि लोग शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। भारत ने कहा कि यह कार्रवाई अस्वीकार्य है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में सरकारी दमन रोकने के लिए भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है, जो वहां के हालात को देखते हुए बिल्कुल सही है। भारत ने कहा कि पाकिस्तानी सरकार की कार्रवाई में पीओके में 40 नागरिकों की मौत हुई है, जबकि वहां लोग शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे।चुनाव से जुड़ा है विरोध। यह मामला वहां हो रहे चुनावों से जुड़ा है। पीओके में 45 सीटों के लिए असेंबली इलेक्शन हो रहे हैं। ये चुनाव तीन चरणों में कराए जा रहे हैं, जो 10 अगस्त को पूरे होंगे। यहां विधानसभा की 53 सीटें हैं। इनमें से 45 पर सीधा चुनाव होता है, जबकि 8 सीटें महिलाओं, टेक्नोक्रैट्स और धर्मगुरुओं के लिए आरक्षित हैं। जबरदस्त धांधली हुई। 27 जुलाई को पहले चरण का चुनाव हुआ। इसमें पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) ने 13 में से 9 सीटें जीतीं, बाकी 4 सीटें पाकिस्तान पीपल्स पार्टी को मिलीं। इस चरण में जबरदस्त धांधली हुई। यह बात भी छिपी नहीं है कि पाकिस्तान ने इस क्षेत्र की हमेशा उपेक्षा की है। वह मानवाधिकारों का भी उल्लंघन करता आया है। बलूचिस्तान में भी पाकिस्तान की ज्यादतियों की खबरों से दुनिया अनजान नहीं है। पिछले दो महीने से पीओके में जबरदस्त प्रदर्शन हो रहे हैं। ये प्रदर्शन उन 12 सीटों को लेकर हो रहे हैं, जो प्रवासियों के लिए आरक्षित हैं। इसकी अगुआई जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी नाम का सिविल सोसाइटी ग्रुप कर रहा है। जेएएसी का कहना है कि इस्लामाबाद सरकार इन सीटों पर धांधली कर अपने लोग बिठाती है ताकि पीओके असेंबली पर उसका कंट्रोल बना रहेइस आरोप में दम है क्योंकि जो पार्टी पाकिस्तान पर हुकूमत करती है, वही अक्सर पीओके चुनाव जीतती है। इसी वजह से 2011 में पाकिस्तान पीपल्स पार्टी, 2016 में पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) और 2021 में इमरान खान की पार्टी को यहां जीत मिली। मगर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में लोगों के गुस्से की वजहें सिर्फ चुनावी धांधली ही नहीं हैं। आर्थिक दुश्वारियों की वजह से भी उनमें गुस्सा है। फिर स्थानीय लोगों के अधिकार और भी सीमित किए जा रहे हैं। खबरें तो ये भी हैं कि सरकारी बंदिशों की वजह से इलाके में लोगों को सब्सिडाइज्ड गेहूं और जरूरी दवाइयां नहीं मिल पा रही हैं। बिजली कटौती को लेकर भी लोगों में गुस्सा है।पाक अधिकृत कश्मीर की नदियों पर बने हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स से जो बिजली बनती है, वह यहां के लिए जरूरी 400 मेगावॉट से कहीं अधिक है। इसके बावजूद इलाके में 15-20 घंटों तक बिजली काटी जाती है।

# चुनाव आयोग की स्वतंत्रता पर सुप्रीम कोर्ट के तीखे सवालों पर मोदी सरकार के तर्कपूर्ण जवाब

**हम आपको बता दें कि यह पूरा विवाद 2023 के उस कानून को लेकर है, जिसके तहत राष्ट्रपति मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय मंत्री वाली चयन समिति की सिफारिश पर करते हैं। इससे पहले मार्च 2023 में सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने अंतरिम व्यवस्था के रूप में निर्देश दिया था कि जब तक संसद कानून नहीं बना देती, तब तक चयन समिति में प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश शामिल होंगे।**

(नीरज कुमार दुबे )

केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस तर्क का जोरदार प्रतिवाद किया। उन्होंने अदालत से कहा कि बहस की शुरुआत इस धारणा से नहीं हो सकती कि प्रधानमंत्री लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत आचरण करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को चुनाव आयोग की स्वतंत्रता पर ऐसी बहस छिड़ी, मानो लोकतंत्र की सबसे अहम संस्थाओं में से एक का भविष्य न्यायालय के कटघरे में खड़ा हो। एक ओर संविधान की आत्मा और निष्पक्ष चुनाव की कसौटी पर सवाल उठाते न्यायाधीश थे तो दूसरी ओर संसद की सर्वोच्चता और प्रधानमंत्री पद की गरिमा का पक्ष मजबूती से रखती केंद्र सरकार। सवालों और जवाबों का यह सिलसिला कई बार अदालत की बहस से आगे बढ़कर लोकतंत्र की बुनियादी अवधारणाओं पर गहन विमर्श में बदल गया।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने सुनवाई के दौरान सबसे पहले यही सवाल उछाला कि यदि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों का पद लोकतंत्र के लिए इतना महत्वपूर्ण है, तो फिर उनके चयन की प्रक्रिया ऐसी क्यों न हो, जिस पर किसी भी प्रकार का संदेह न रहे? अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि चुनाव आयोग केवल स्वतंत्र होकर काम करे, इतना पर्याप्त नहीं है; उसे स्वतंत्र दिखाई भी देना चाहिए।

इसी संदर्भ में अदालत ने सरकार से सीधा प्रश्न किया कि संसद ने 2023 का कानून बनाते समय चयन समिति से भारत के मुख्य न्यायाधीश को बाहर रखने का निर्णय आखिर किस आधार पर लिया? पीठ ने याद दिलाया कि सीबीआई निदेशक और लोकपाल जैसे महत्वपूर्ण पदों के चयन में मुख्य न्यायाधीश की भूमिका स्वीकार की गई है, फिर चुनाव आयोग जैसे संवैधानिक संस्थान के मामले में यह व्यवस्था क्यों बदली गई?

केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस तर्क का जोरदार प्रतिवाद किया। उन्होंने अदालत से कहा कि बहस की शुरुआत इस धारणा से नहीं हो सकती कि प्रधानमंत्री लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत आचरण करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के पद की अपनी गरिमा और पवित्रता है तथा जनता को उनके निर्णयों पर विश्वास होना चाहिए। तुषार मेहता ने सवालिया अंदाज में कहा, यदि प्रधानमंत्री के फैसलों पर भरोसा ही नहीं किया जाएगा, तो क्या फिर मंत्रिमंडल के गठन के समय भी किसी पूर्व न्यायाधीश या बाहरी व्यक्ति से सलाह लेना अनिवार्य कर दिया जाए?

उन्होंने यह भी दलील दी कि केवल इसलिए कि कार्यपालिका के पास संख्यात्मक बहुमत है, यह मान लेना उचित नहीं कि वह संविधान विरोधी या दुर्भावनापूर्ण निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि राज्य के तीनों अंग यानि विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका स्वतंत्र हैं और एक संस्था दूसरी की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं कर सकती।

लेकिन अदालत ने तुरंत स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य प्रधानमंत्री पर अविश्वास जताना नहीं है। पीठ ने कहा कि प्रश्न किसी व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि उस प्रक्रिया का है जो जनता के विश्वास की कसौटी पर खरी उतरनी चाहिए। न्यायाधीशों ने कहा, हम यह नहीं कह रहे कि वर्तमान समिति ने निष्पक्षता नहीं बरती है। लेकिन जैसे न्याय केवल किया ही नहीं जाना चाहिए, बल्कि होता हुआ दिखना भी चाहिए, उसी प्रकार चुनाव आयोग की नियुक्ति प्रक्रिया में भी निष्पक्षता दिखाई देनी चाहिए।

इसी दौरान अदालत ने सरकार से एक और तीखा सवाल पूछा। पीठ ने याद दिलाया कि पहले भी अदालत ने निर्वाचित सरकार पर भरोसा जताते हुए आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को मंत्री न बनाने की अपेक्षा की थी। ऐसे में आज सरकार में कितने मंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले लंबित हैं? इस टिप्पणी के जरिए अदालत ने संकेत दिया कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता केवल संवैधानिक प्रावधानों से नहीं, बल्कि सार्वजनिक विश्वास से भी तय होती है।

हम आपको बता दें कि यह पूरा विवाद 2023 के उस कानून को लेकर है, जिसके तहत राष्ट्रपति मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय मंत्री वाली चयन समिति की सिफारिश पर करते हैं। इससे पहले मार्च 2023 में सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने अंतरिम व्यवस्था के रूप में निर्देश दिया था कि जब तक संसद कानून नहीं बना देती, तब तक चयन समिति में प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश शामिल होंगे। बाद में संसद ने कानून बनाकर मुख्य न्यायाधीश की जगह केंद्रीय मंत्री को शामिल कर दिया।

अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने भी अदालत से कहा कि संसद की विधायी बुद्धिमत्ता पर सवाल उठाना न्यायिक मर्यादा के अनुरूप नहीं होगा। उनका कहना था कि केवल इसलिए कि कोई दूसरा मॉडल बेहतर हो सकता है, संसद द्वारा चुनी गई व्यवस्था को असंवैधानिक नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि संसद को इस प्रकार बाधित नहीं किया जा सकता।

सरकार ने अपने हलफनामे में भी यही रुख दोहराया। केंद्र ने कहा कि यह आशंका पूरी तरह काल्पनिक है कि चयन प्रक्रिया में कार्यपालिका की प्रमुख भूमिका होने से चुनाव आयोग की स्वतंत्रता स्वतः प्रभावित हो जाएगी। सरकार ने याद दिलाया कि सात दशक से अधिक समय तक चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पूरी तरह कार्यपालिका द्वारा होती रही, लेकिन इस दौरान देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कभी बाधित नहीं हुए। इसलिए केवल आशंकाओं के आधार पर कानून को दोषपूर्ण नहीं माना जा सकता।

सुनवाई के दौरान केंद्र ने यह आग्रह भी किया कि मामले में महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न जुड़े हैं, इसलिए इसे बड़ी संविधान पीठ को भेजा जाए। हालांकि वरिष्ठ अधिवक्ता डी. शेषाद्रि नायडू, गोपाल शंकरनारायणन, प्रशांत भूषण और संजय पारिख ने इसका कड़ा विरोध किया। उनका कहना था कि लगभग 20 दिन तक विस्तृत सुनवाई चलने के बाद अब इस आधार पर मामला बड़ी पीठ को भेजने की मांग करना केवल सुनवाई को टालने का प्रयास है।

दोनों पक्षों की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है, जिसमें मामले को संविधान पीठ के पास भेजने की मांग की गई है। अब निगाहें अदालत के फैसले पर टिकी हैं, क्योंकि यह निर्णय केवल चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता, संसद की विधायी शक्ति और जनता के भरोसे के बीच संतुलन की नई संवैधानिक रेखा भी खींच सकता है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026

# 39 मेडल जीते, इतिहास भी रचा, लेकिन इन 5 खेलों ने बढ़ाई भारत की चिंता

( आलोक श्रीवास्तव)

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत ने 13 स्वर्ण समेत कुल 39 पदक जीतकर चौथे नंबर पर रहा। बॉक्सिंग और जूडो ने इतिहास रचा, लेकिन पांच खेल ऐसे रहे जहां भारत एक भी पदक नहीं जीत पाया। जानिए भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियां और सबसे बड़ी चिंताएं। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य समेत कुल 39 पदक जीतकर इतिहास रचा और पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। बॉक्सिंग ने रिकॉर्ड 7 स्वर्ण दिलाए, जूडो में पहली बार दो गोल्ड आए, जबकि पैरा एथलेटिक्स ने 20 साल बाद पदक का सूखा खत्म किया। हालांकि, इन तमाम उपलब्धियों के बीच भारत की सबसे बड़ी चिंता उन पांच खेलों ने बढ़ा दी, जिनमें एक भी पदक नहीं आया। इनमें आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स, स्विमिंग, ट्रैक साइक्लिंग, लॉन बाउल्स और 3x3 बास्केटबॉल शामिल हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जिन खेलों में भारत लगातार निवेश और तैयारी बढ़ा रहा है, वहां नतीजे अब भी क्यों नहीं मिल रहे?

**बॉक्सिंग ने अकेले दिलाए आधे से ज्यादा गोल्ड** – भारत के लिए इस बार सबसे बड़ा आकर्षण मुक्केबाजी (बॉक्सिंग) रही। देश के मुक्केबाजों ने 14 में से 10 पदक जीते। इनमें सात स्वर्ण पदक हैं। यह कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में बॉक्सिंग में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले भारत ने किसी एक संस्करण में अधिकतम तीन स्वर्ण पदक जीते थे। प्रीति पवार, साक्षी चौधरी, जैसमीन लम्बोरिया, प्रिया घंघास, अरुंधति चौधरी, सचिन सिवाच और अंकुश पंघाल ने स्वर्ण जीतकर भारतीय मुक्केबाजी की नई पीढ़ी की ताकत दिखा दी।

**जूडो ने पहली बार लिखा स्वर्णिम इतिहास** – कॉमनवेल्थ गेम्स में जूडो भारत के लिए कभी बड़ा पदक देने वाला खेल नहीं रहा था। हालांकि, ग्लासगो में तस्वीर बदल गई। अस्मिता डे ने महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स में जूडो का पहला स्वर्ण पदक दिलाया। इसके बाद हर्ष सिंह ने पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर इस उपलब्धि को और बड़ा बना दिया। भारत ने जूडो में कुल चार पदक जीते। इनमें दो स्वर्ण पदक शामिल रहे।

**पैरा एथलेटिक्स ने खत्म किया 20 साल का इंतजार** – भारत के लिए पैरा एथलेटिक्स से भी बड़ी खुशखबरी आई। शार्मिला ढांकर, दिलीप गावित और सोमन राणा ने स्वर्ण पदक जीतकर इस स्पर्धा में भारत को दो दशक बाद पदक दिलाया। यह प्रदर्शन इस बात का संकेत है कि पैरा स्पोर्ट्स में भारत की तैयारी लगातार मजबूत हो रही है।

**एथलेटिक्स में कई उपलब्धियां, लेकिन गोल्ड कम** – एथलेटिक्स में भारत ने सबसे ज्यादा 16 पदक जीते, लेकिन इनमें सिर्फ तीन स्वर्ण रहे। गुलवीर सिंह ने एक ही कॉमनवेल्थ गेम्स में दो पदक जीतकर इतिहास रच दिया। गुलवीर सिंह ने 10 हजार मीटर में रजत और पांच हजार मीटर में कांस्य पदक अपने नाम किया। नीरज चोपड़ा ने भी भाला फेंक में रजत जीतकर अपने कॉमनवेल्थ गेम्स करियर का दूसरा पदक हासिल किया।

**पांच खेलों ने बढ़ाई सबसे ज्यादा चिंता** – भारत की सबसे बड़ी चिंता उन खेलों को लेकर है, जिनमें एक भी पदक नहीं आया। यह इसलिए भी खासा चिंताजनक है, क्योंकि इनमें से कई खेल ओलंपिक कार्यक्रम का हिस्सा हैं और भारत पिछले कुछ वर्षों से इन पर लगातार निवेश कर रहा है।

**स्विमिंग** – 10 तैराकों की टीम होने के बावजूद भारत का खाता नहीं खुल सका। यह वही खेल है जिसमें विश्व स्तर पर सबसे ज्यादा पदक दांव पर होते हैं। भारत के लिए यह अब भी सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है।

**आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स** – आठ खिलाड़ियों का दल उतरा, लेकिन कोई भी पदक नहीं जीत सका। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने जिम्नास्टिक्स में बुनियादी ढांचे और अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर पर काफी काम किया है, लेकिन उसका असर पदकों में नहीं दिखा।

**ट्रैक साइक्लिंग** – सात खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, लेकिन पदक नहीं मिला। ट्रैक साइक्लिंग में भारत लगातार पिछड़ता नजर आ रहा है, जबकि कई देशों ने इसे अपनी पदक रणनीति का अहम हिस्सा बना लिया है।

**लॉन बाउल्स** – बर्मिंघम 2022 में महिलाओं की फोर टीम ने ऐतिहासिक स्वर्ण जीतकर सबको चौंका दिया था। इस बार छह खिलाड़ियों का दल गया, लेकिन कोई भी उस सफलता को दोहरा नहीं पाया।

# 'लोकतंत्र का असली मतलब है कि सत्ता हिलाई जा सकती है'

**जंतर-मंतर पर उन्होंने दिखाया है कि लोकतंत्र का असली मतलब है कि सत्ता हिलाई जा सकती है, जब आम लोगों को एहसास होने लगता है कि उनकी निजी शक्ति सत्ताधारियों से कहीं ज्यादा है। सो उस प्रधानमंत्री को उन्होंने घुटनों पर लाकर दिखाया, जो अपने बारे में बहुत बार कह चुके हैं कि उनकी छाती छप्पन इंच की है और उनके सामने दुनिया के बाकी नेता बौने लगते हैं। नरेंद्र मोदी ने यह भी दिखाया है कि उनके सामने इस देश के बाकी नेता इतने ज्यादा बौने हैं कि उनके राजनीतिक दल आसानी से तोड़े जा सकते हैं।**

( तवलीन सिंह )

लोकतंत्र एक ऐसा पौधा है, जो जिंदा तब तक रहता है, जब तक आम नागरिक उसकी अहमियत समझते हों। इसलिए पिछले सप्ताह मुझे पहली बार लगने लगा कि भारत में लोकतंत्र को खतरा होने लगा है। ऐसा खतरा, जो छिप-छिपकर वार कर रहा है।

कहने को तो सब ठीक है। चुनाव होते रहते हैं, किसी न किसी राज्य में हर साल। ऊपर से काकरोच जनता पार्टी ने सबको याद दिलाया है कि लोकतंत्र का मतलब और उसका महत्त्व वे बच्चे भी समझ गए हैं, जिन्होंने शायद कभी किसी चुनाव में वोट नहीं डाला है।

जंतर-मंतर पर उन्होंने दिखाया है कि लोकतंत्र का असली मतलब है कि सत्ता हिलाई जा सकती है, जब आम लोगों को एहसास होने लगता है कि उनकी निजी शक्ति सत्ताधारियों से कहीं ज्यादा है। सो उस प्रधानमंत्री को उन्होंने घुटनों पर लाकर दिखाया, जो अपने बारे में बहुत बार कह चुके हैं कि उनकी छाती छप्पन इंच की है और उनके सामने दुनिया के बाकी नेता बौने लगते हैं। नरेंद्र मोदी ने यह भी दिखाया है कि उनके सामने इस देश के बाकी नेता इतने ज्यादा बौने हैं कि उनके राजनीतिक दल आसानी से तोड़े जा सकते हैं।

**जंतर मंतर पर युवाओं ने अपनी शक्ति दिखाई** – तकरीबन सारे विपक्षी दल टूटकर बिखर चुके हैं, इतनी बुरी तरह कि चुनाव मैदान में मोदी के सामने कोई ताकतवर प्रतिद्वंद्वी दिखता ही नहीं है। युवाओं ने जंतर-मंतर से अपनी शक्ति न दिखाई होती, तो उनके भक्त आज भी पूरे यकीन से कहते फिरते कि 2029 में 'आएगा तो मोदी ही'।अब लगता है कि मोदी की टीम थोड़ी घबरा गई है। सोशल मीडिया पर जो होने लगा है, उसकी तरफ ध्यान देंगे तो देखेंगे कि मोदी सरकार और उनके समर्थकों ने एक ऐसी मुहिम छेड़ रखी है, जिसका मकसद काकरोच जनता पार्टी को बदनाम करना है।यह मैं इसलिए कह रही हूं कि सोशल मीडिया पर मेरी नजर दिन भर रहती है और वहां से जो आम लोगों की आवाज उठती है, उसे मैं पूरे ध्यान से सुनती हूं।जब से काकरोच जनता पार्टी ने शिक्षा मंत्री को उनके पद से हटाया है, तब से मोदी के खास भक्त ऊंची आवाज में कहने लगे हैं कि जो हुआ वह अलोकतांत्रिक था और ऐसा किसी दूसरे लोकतांत्रिक देश में हो ही नहीं सकता। यानी भारत ही एक ऐसा देश है, जहां युवाओं को प्रधानमंत्री के खिलाफ उल्टी-सीधी बातें बोलने के बावजूद उन पर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होगी।

हुआ ऐसा कि मैंने एक वीडियो देखा, जिसमें अरुंधति राय को जंतर-मंतर पर दिखाया गया है। वहां वे कहती हैं कि बहुत दिनों बाद उन्हें भारतीय होने पर गर्व होने लगा है।आगे यह मशहूर लेखिका कहती हैं कि अब वे खुशी से मर सकेंगी, क्योंकि देश के नौजवानों ने ऐसा कुछ करके दिखाया है, जिससे उनके दिल में एक बार फिर उम्मीद जाग गई है। इस वीडियो को एक मोदी समर्थक ने 'एक्स' पर साझा करते हुए लिखा कि ऐसी बातें किसी और देश में लोग कह नहीं सकते। क्या चीन, उत्तर कोरिया या रूस में इस तरह की बातें कोई कर सकता है?

मैंने इस पोस्ट पर 'एक्स' में टिप्पणी की कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है, इसलिए उसकी तुलना तानाशाही देशों से नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक देशों से करनी चाहिए।यहां याद दिलाना चाहूंगी कि अगर आप अमेरिकी टीवी चैनलों से थोड़े-बहुत भी परिचित हैं, तो आपने देखा होगा कि वहां मशहूर एंकर किस तरह रोज डोनाल्ड ट्रंप का मजाक उड़ाते हैं। कभी उनकी नकल करके, कभी उनकी नीतियों की आलोचना करके और कभी उनके परिवार की कथित भ्रष्ट आदतों पर टिप्पणी करके।

हैरानी तब हुई, जब मेरी इस टिप्पणी के बाद मुझे कितनी गालियां पड़ीं। कुछ लोगों ने कहा कि ट्रंप के खिलाफ जिसने भी आवाज उठाई है, उसका खीजा रद्द कर उसे सीधे वापस भेज दिया जाता है।

सच यह है कि किसी विदेशी व्यक्ति ने अपने मेजबान देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ अगर जंतर-मंतर पर खड़े होकर आवाज उठाई होती, तो उसके साथ भी ऐसा हो सकता था। मगर अरुंधति भारतीय हैं, इसलिए उनके साथ ऐसा नहीं हो सकता और उन्हें अपनी बात कहने का पूरा अधिकार है।

मेरी इस बात से सोशल मीडिया पर ऐसी बहस छिड़ गई, जिसमें मुझे भी राष्ट्रविरोधी घोषित कर दिया गया और ढेर सारी गालियां सुनने को मिलीं, भाजपाइयों से भी और आम लोगों से भी।

कुछ लोगों ने कंगना रनौत की तरह यहां तक कहा कि हमारे प्रधानमंत्री को कई लोग भगवान मानते हैं, इसलिए उनके खिलाफ कुछ कहना न सिर्फ गलत है, बल्कि भगवान का अपमान भी है। इन बातों को सुनने के बाद मैं कुछ देर सोच में पड़ गई, क्योंकि मैंने इंदिरा गांधी का आपातकाल भी देखा है। तब भी हम लोग चुपके से इंदिरा गांधी को खूब गालियां दिया करते थे। और जब 1977 का चुनाव आया, तो मतदाताओं ने इंदिरा गांधी और उनके बेटे को उनके अपने चुनाव क्षेत्रों में हराकर दिखा दिया कि जनता की शक्ति कितनी बड़ी होती है। मोदी के दौर में, जब तक काकरोच जनता पार्टी नहीं बनी थी, किसी ने खुलकर बोलने की अगर हिम्मत नहीं दिखाई, तो उसकी वजह यह थी कि माहौल में खौफ बढ़ता जा रहा था। यहां तक कि जाने-माने टीवी एंकर भी अपनी बातें दबी जुबान में रखते हैं।

रही मेरी अपनी बात, तो मैं बेझिझक कहने को तैयार हूं कि मैं खुद फूंक-फूंककर चलती हूं और डर-डरकर अपने लेख लिखती हूं। ऐसा उन देशों में नहीं होता, जहां लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती हैं। भारत में ये जड़ें इतनी कमजोर हैं कि आम लोग भी मानते हैं कि लोकतंत्र की सीमा चुनाव जीतने तक ही रहती है। लोकतंत्र के लिए यह खतरनाक नहीं है क्या? (यह लेखिका के अपने विचार है)

# आंगनबाडी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं द्वारा बनाई गई राखियों को सुरक्षा बलों के जवानों के लिए प्रेषित की गई

**कोंडागांव।** जिला कार्यक्रम अधिकारी, रेनू प्रकाश, महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र अभियान के अंतर्गत रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर जिले की समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के द्वारा देश की सीमाओं एवं आंतरिक सुरक्षा में तैनात सुरक्षा बलों के जवानों के लिए 10471 हस्तनिर्मित राखियां तैयार कर उन्हें पूर्व सैनिक एवं अभियान के संयोजक के माध्यम से सम्मानपूर्वक प्रेषित किया गया। इस अभियान का उद्देश्य देश की सुरक्षा में निरंतर समर्पित सैनिकों के प्रति सम्मान स्नेह एवं कृतज्ञता प्रकट करना है। रक्षाबंधन जैसे पावन पर्व पर अपने परिवारों से दूर रहकर राष्ट्र की सेवा कर रहे जवानों तक बहनों के स्नेह का संदेश पहुंचाने के लिए जिले के सभी विकासखंडों एवं परियोजनाओं के आगनबाड़ी केंद्रों में उत्साहपूर्वक राखियों का निर्माण किया गया। सभी आगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं ने पूरे समर्पण और राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ इस अभियान में भाग लेते हुए सुंदर एवं आकर्षक राखिया तैयार की। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों ने कहा कि हमारे सैनिक कठिन से कठिन परिस्थितियों में सीमाओं की सुरक्षा करते हुए राष्ट्र की एकता और अखंडता की रक्षा करते हैं। ऐसे वीर जवानों के प्रति सम्मान व्यक्त करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। रक्षाबंधन के अवसर पर भेजी गई ये राखियां केवल धागे नहीं बल्कि पूरे जिले की माताओं, बहनों और आआंगनबाडी परिवार की ओर से प्रेम, विश्वास, सम्मान और शुभकामनाओं का संदेश है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सीमाओं पर तैनात जवानों के लिए इस प्रकार का स्नेह और अपनापन अत्यंत प्रेरणादायक होता है। जब उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों से राखिया और शुभकामना संदेश प्राप्त होते है, तो उनका मनोबल और अधिक सुदृढ होता है। तथा उन्हें यह विश्वास मिलता है कि पूरा देश उनके साथ खड़ा है। संयोजक महेन्द्र सिंह राणा एवं भूतपूर्व सैनिक राजेश साहू ने इस अभियान की सफलता के लिए जिले की सभी आआंगनबाडी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के समर्पण, परिश्रम और

# कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु डीआरजी, जिला बल एवं नगर सैनिक के जवानों को दिया गया व्यापक बलवा ड्रिल प्रशिक्षण

**नारायणपुर।** जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने तथा किसी भी आपातकालीन एवं विषम परिस्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के उद्देश्य से आज जिला मुख्यालय में डीआरजी, जिला बल एवं नगर सैनिक के जवानों का व्यापक बलवा ड्रिल प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिस बल को दंगा नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन, संवेदनशील परिस्थितियों में त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई, जन एवं शासकीय संपत्ति की सुरक्षा तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति में प्रभावी पुलिस प्रतिक्रिया के लिए तैयार करना था। प्रशिक्षण के दौरान जवानों को लाठी पार्टी, आँसू गैस पार्टी, इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम, क्विक रिस्पॉन्स टीम, वायरलेस संचार व्यवस्था, घायलों को सुरक्षित निकालने, मेडिकल सहायता एवं आपदा अथवा दंगा जैसी परिस्थितियों में विभिन्न पुलिस दलों के बीच समन्वय संबंधी विस्तृत एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अवसर पर जवानों को दंगा नियंत्रण के दौरान अपनाई जाने वाली विभिन्न फॉर्मेशन, भीड़ को नियंत्रित करने की रणनीति, न्यूनतम आवश्यक बल के विधिसम्मत प्रयोग, हेलमेट, बॉडी प्रोटेक्टर, शील्ड, लाठी, आँसू गैस उपकरण सहित अन्य सुरक्षा संसाधनों के सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग का अभ्यास कराया गया। साथ ही विभिन्न संभावित परिस्थितियों का मॉक ड्रिल आयोजित कर पुलिस बल की त्वरित निर्णय क्षमता, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं आपसी समन्वय का परीक्षण एवं अभ्यास कराया गया। अधिकारियों ने जवानों को निर्देशित किया कि किसी भी कानून व्यवस्था संबंधी चुनौती का सामना करते समय संयम, अनुशासन एवं संवेदनशीलता बनाए रखें तथा आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विधि सम्मत एवं पेशेवर ढंग से कार्रवाई सुनिश्चित करें। प्रशिक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अक्षय सबद्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अजय कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऐश्वर्य चंद्राकर, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (नारायणपुर) अजय सिंह, उप पुलिस अधीक्षक परवेज़ कुरैशी, उप पुलिस अधीक्षक आशीष नेताम, उप पुलिस अधीक्षक अमृता पैंकरा, रक्षित निरीक्षक मोहसिन खान एवं रक्षित निरीक्षक सोनू वर्मा द्वारा प्रशिक्षण का निरीक्षण करते हुए जवानों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

# फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र से वन विभाग में नियुक्ति का आरोप, वाहन चालक भर्ती मामले में मंजीत सिंह ने की जांच और कार्रवाई की मांग

**कोण्डागांव ।** केशकाल वनमंडल में भारी वाहन चालक पद पर हुई भर्ती को लेकर शिकायत सामने आई है। कोण्डागांव निवासी और वन विभाग में वाहन चालक के पद पर कार्यरत मंजीत सिंह चहल ने विक्की बंजारे पिता प्रेमदास बंजारे की नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने और भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता का आरोप लगाया है।

उन्होंने मामले में विक्की बंजारे सहित केशकाल वनमंडल के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। मंजीत सिंह ने अपने आवेदन में बताया कि वर्ष 2023 में प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्यालय द्वारा भारी और हल्का वाहन चालक के पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। केशकाल वनमंडल में भारी वाहन चालक के दो पदों के लिए उन्होंने भी आवेदन किया था। उनके अनुसार चयन प्रक्रिया के दौरान विक्की बंजारे द्वारा प्रस्तुत अनुभव प्रमाण पत्र को पहले अमान्य किया गया था, क्योंकि प्रमाण पत्र मान्यता प्राप्त संस्था का नहीं पाया गया था। बाद में दावा-आपत्ति के निराकरण के दौरान भी अनुभव प्रमाण पत्र को अमान्य किए जाने का उल्लेख किया गया था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि हीरा एग्रो राइस मिल कोण्डागांव के नाम से प्रस्तुत अनुभव प्रमाण पत्र संदेहास्पद था। मंजीत सिंह के अनुसार संबंधित संस्था की ओर से शिकायत में यह बताया गया कि विक्की बंजारे नाम का कोई व्यक्ति वहां भारी वाहन चालक के रूप में कार्यरत नहीं था। उन्होंने आरोप लगाया कि जांच में अनुभव प्रमाण पत्र अमान्य पाए जाने के बावजूद वर्ष 2026 में विक्की बंजारे को भारी वाहन चालक के पद पर नियुक्ति दे दी गई, जो भर्ती प्रक्रिया में गंभीर अनियमितता को दर्शाता है। मंजीत सिंह चहल ने बताया कि भर्ती की मेरिट सूची में पहले उनका नाम ऊपर था, लेकिन बाद में सूची में बदलाव कर विक्की बंजारे को प्रथम स्थान पर दर्शाया गया। उन्होंने कहा कि उनके पास भर्ती प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेज, वेबसाइट से प्राप्त जानकारी और आरटीआई के माध्यम से मिले रिकॉर्ड मौजूद हैं। उन्होंने मामले को लेकर बिलासपुर हाईकोर्ट में भी शिकायत दायर करने की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि, मैं वर्ष 2013-14 से वन विभाग में कार्य कर रहा हूं और अच्छे कार्य के लिए मुझे प्रशस्ति पत्र भी मिल चुका है।

मेरे साथ अन्याय हुआ है। फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

वहीं इस मामले में अब शिकायतकर्ता ने राज्यपाल, एंटी करप्शन ब्यूरो, कलेक्टर कोण्डागांव और पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव को आवेदन भेजकर जांच और कार्रवाई की मांग की है। मामले में वन विभाग का पक्ष सामने नहीं आया है।

# शासन जिला प्रशासन के आदेशों की उड़ रही धज्जियां, विभाग अधिकारी बना मूकदर्शक

## आखिर किसके संरक्षण में दबाए जा रहे हैं शासन जिला प्रशासन के आदेश : अमित भद्र

**नारायणपुर।** जिला कांग्रेस कमेटी नारायणपुर ने जिला प्रशासन पर राज्य शासन एवं शिक्षा विभाग के स्पष्ट आदेशों की खुली अवहेलना करने का गंभीर आरोप लगाया है। जिला कांग्रेस का कहना है कि शासन द्वारा संलग्न शिक्षकों को उनके मूल पदस्थापना स्थल पर तत्काल कार्यभार ग्रहण कराने के स्पष्ट निर्देश जारी किए जा चुके हैं, इसके बावजूद ओरछा (अबूझमाड़) सहित जिले के कई शिक्षकों को अब भी जिला कार्यालय एवं अन्य कार्यालयों में संलग्न रखा गया है। यह शासन के आदेशों की खुलेआम अवमानना है। जिला कांग्रेस के जिला महामंत्री एवं जिला प्रवक्ता अमित भद्र ने कहा कि कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने इस विषय को लेकर जिला कलेक्टर से मुलाकात कर ज्ञापन भी सौंपा था। इसके बावजूद आज तक आदेशों का पालन नहीं होना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। अमित भद्र ने कहा कि छत्तीसगढ़ संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग तथा जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी आदेशों में स्पष्ट रूप से संलग्न शिक्षकों को उनके मूल विद्यालयों में भेजने के निर्देश दिए गए है। इसके बावजूद कुछ अधिकारियों द्वारा मनमानी करते हुए आदेशों को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि जिले के ब्लाकों सहित ओरछा (अबूझमाड़) जैसे दूरस्थ एवं संवेदनशील क्षेत्रों के विद्यालय पहले से ही शिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहे है।

ऐसे में वहां पदस्थ शिक्षकों को जिला मुख्यालय के कार्यालयों में संलग्न रखना वहां के विद्यार्थियों के शिक्षा के अधिकार पर सीधा हमला है। अमित भद्र ने जिला प्रशासन से तीखे सवाल पूछते हुए कहा- आखिर किसके दबाव में शासन सहित जिला प्रशासन कलेक्टर के आदेशों का पालन नहीं हो रहा? कौन है वह अधिकारी जो अपने निजी स्वार्थ और पसंद-नापसंद के आधार पर कुछ शिक्षकों को संरक्षण देकर शासन के आदेशों को चुनौती दे रहा है? क्या नारायणपुर जिले में अब शासन के आदेशों से ऊपर कुछ अधिकारी और उनका प्रभाव काम कर रहा है? उन्होंने कहा कि यदि शासन के आदेशों का पालन नहीं कराया जाता तो यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि शासन की मंशा के विरुद्ध कार्य माना जाएगा। जिला कांग्रेस ने मांग की है कि जिले के सभी ब्लॉकों, विशेषकर ओरछा (अबूझमाड़) क्षेत्र के संलग्न शिक्षकों को तत्काल उनके मूल पदस्थापना स्थल पर भेजा जाए तथा जिन अधिकारियों ने जानबूझकर आदेशों की अनदेखी की है, उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए। अमित भद्र ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो जिला कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर व्यापक जनआंदोलन एवं हल्ला बोल आंदोलन शुरू करेगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

# हाईस्कूल गजराज कैंप में माँ सरस्वती व छ.ग. महतारी की मूर्ति का अनावरण

## 13 छात्राओं को वितरण की गई साइकिल

**किरंदुल।** शासकीय हाई स्कूल कोड़ेनार क्रमांक 01 गजराज कैंप किरन्दुल में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम माँ सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी माता की मूर्ति का अनावरण व पूजन कर की गई। कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ शासन की सरस्वती साइकिल योजना के तहत कुल 13 छात्राओं को साइकिल वितरित की गई।साइकिलों का वितरण नगर पालिका अध्यक्ष रूबी सिंह एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह, एल्डरमैन सुनीता साहू सुखदेव पोयम पार्षदगण, पालकगण के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के सफल संचालन में स्कूल के प्राचार्य उमा ठाकुर, पुष्पा सिंह एवं शिक्षकगणों का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर माँ सरस्वती एवं छ.ग. महतारी की मूर्ति बनाने वाले कक्षा 7वीं के छात्र शांतनु चक्रवर्ती को नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा प्रोत्साहन स्वरूप सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में नगर पालिका अध्यक्ष रूबी सिंह ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि पढ़ाई और अनुशासन से ही अपने भविष्य को उज्जवल एवं सशक्त बनाया जा सकता है, इसलिए उन्होंने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ने का संदेश दिया।

# 21 किलो गांजा तस्करी मामले में आरोपी को 10 साल का सश्रम कारावास, एक लाख रुपये जुर्माना

**कोण्डागांव।** विशेष न्यायालय (एनडीपीएस एक्ट 1985) कोण्डागांव ने गांजा तस्करी के मामले में आरोपी विवेक कुमार दुबे को दोषी ठहराते हुए 10 वर्ष के सश्रम कारावास और एक लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड जमा नहीं करने पर आरोपी को अतिरिक्त एक वर्ष का सश्रम कारावास भुगतना होगा।मामला थाना केशकाल क्षेत्र का है। अभियोजन के अनुसार 3 फरवरी 2024 को पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति मोटरसाइकिल से अवैध रूप से गांजा का परिवहन कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने केशकाल के आईटीआई चौक के सामने एचएच-30 मुख्य मार्ग पर कार्रवाई करते हुए टीवीएस राइडर मोटरसाइकिल क्रमांक यूपी 63 एजेड 8412 को रोककर जांच की थी। जांच के दौरान आरोपी विवेक कुमार दुबे (34) निवासी आवास विकास कॉलोनी मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश) के कब्जे से 21.050 किलोग्राम मादक पदार्थ गांजा बरामद किया गया था। इस मामले में थाना केशकाल में अपराध दर्ज कर न्यायालय में सुनवाई हुई। विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट 1985) कोण्डागांव खिलावन राम रिगरी ने आरोपी को एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी)(पप)(सी) के तहत दोषसिद्ध करते हुए यह सजा सुनाई। लोक अभियोजक हेमंत गोस्वामी ने बताया कि आरोपी जगदलपुर से रायपुर की ओर मोटरसाइकिल से गांजा ले जा रहा था, जिसे पुलिस ने केशकाल में पकड़कर 21 किलो से अधिक गांजा बरामद किया था। उन्होंने बताया कि अभियोजन की ओर से अधिवक्ता रुकमणि मरकाम ने प्रभावी पैरवी करते हुए मामले को प्रमाणित किया, जिसके आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी मानते हुए 10 वर्ष के सश्रम कारावास और एक लाख रुपये अर्थदंड की सजा दी है।

# खदान मजदूर संघ द्वारा दीर्घ सेवा पश्चात सेवानिवृत साथी का किया गया सम्मान

**किरंदुल।** एनएमडीसी लिमिटेड बीआईओएम किरंदुल काम्प्लेक्स के विविध विभागों में 40 वर्ष की दीर्घ अवधि तक सेवाएं प्रदान करने के पश्चात सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं खदान मजदूर संघ (संबद्ध भारतीय मजदूर संघ) शाखा किरंदुल के पदाधिकारी महेन्द्र कुमार का यूनियन द्वारा एक गरिमामयी सम्मान समारोह आयोजित कर सम्मानित किया गया। सेवानिवृत पदाधिकारी को उनके निवास स्थान से रैली की शक्ल में आतिशबाजी के साथ यूनियन कार्यालय तक लाया गया तथा स्वागत द्वार में खदान मजदूर संघ शाखा किरंदुल की मातृशक्तियों द्वारा भारतीय संस्कृति के अनुरूप स्वागत करते हुए कार्यालय के मुख्य द्वार से पुष्पवर्षा एवं तिलक करते हुए ससम्मान मुख्य अतिथि की आसंदी तक अभिनंदन किया गया। यूनियन के अध्यक्ष बी. दिल्ली राव, छत्तीसगढ़ श्रम आयोग के पूर्व सदस्य आर.सी. नाहक, भाजपा नेता अतुल सिंह, मंडल अध्यक्ष विजय सोढ़ी, महामंत्री विक्रम नाहक, मोहित धवन, राजेंद्र यादव, उमेंद्र नाथ त्रिपाठी, विराट अवस्थी सहित समस्त पदाधिकारियों, मातृशक्तियों ने महेंद्र कुमार को पुष्पहार, शाल-श्रीफल, स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया। पदाधिकारियों ने उनके एक कर्मठ कर्मचारी के रूप में उद्यम हित में किये गए योगदान, उपलब्धियों एवं यूनियन के प्रति समर्पण, कार्यशैली के संदर्भ में सारगर्भित उदबोधन प्रस्तुत किया तथा साथ में किये गए कार्यानुभव की मधुर स्मृतियों को साझा किया। महेंद्र कुमार द्वारा अपने दीर्घ अनुभव को सभी साथियों के साथ साझा किया गया तथा संगठन की मजबूती के लिए सदैव ही साथ रहने की प्रेरणादायक व्यक्तव्य दिया गया। कार्यक्रम का संचालन उपेंद्रनाथ त्रिपाठी द्वारा किया गया तथा राजेंद्र यादव द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर खदान मजदूर संघ शाखा किरंदुल के लक्ष्मीनाथ पोयाम, अजय कुमार, दिलीप सेठ्ठी, प्रशांत राय, एस. के. मल्लिक, आकाश माझी, सुधा, सूरमा, प्रीति, केसर, शशि, मिथुन, लाजेंद्र सहित बड़ी संख्या में सदस्यगण, मातृशक्तियाँ उपस्थित थे।

# मरोली नाला के क्षतिग्रस्त पुलिया मरम्मत कार्य का कलेक्टर नम्रता जैन एसपी संदीप पटेल ने किया निरीक्षण

## मरम्मत कार्य में शीघ्र पूर्ण करने के दिये निर्देश

**नारायणपुर।** जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण ग्राम भरण्डा से हुच्चाकोट मार्ग पर स्थित पुलिया क्षतिग्रस्त होने के बाद कलेक्टर नम्रता जैन एवं संदीप पटेल ने मौके पर पहुंचकर मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण एजेंसी एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों से मरम्मत कार्य की प्रगति की जानकारी ली और कार्य को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पाया कि लगातार हुई बारिश के कारण पुलिया के दोनों ओर के अप्रोच पूरी तरह कट जाने से मार्ग पर आवागमन प्रभावित हो गया है। इस स्थिति को देखते हुए उन्होंने अधिकारियों को युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य कराने, पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराने निर्देशित किया। कलेक्टर नम्रता जैन ने कहा कि मरम्मत कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का विशेष रूप से पालन किया जाए, ताकि कार्यस्थल पर किसी प्रकार की दुर्घटना न हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पुलिया के दोनों ओर आवश्यक बैरिकेडिंग, चेतावनी संकेतक और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा या जोखिम का सामना न करना पड़े। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि मरम्मत कार्य की नियमित निगरानी की जाए और कार्य पूर्ण होने तक लगातार प्रगति की समीक्षा की जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि मार्ग को जल्द से जल्द आवागमन के लिए सुरक्षित एवं सुचारु रूप से बहाल किया जाए, जिससे ग्रामीणों और राहगीरों को राहत मिल सके। जिला प्रशासन द्वारा पुलिया की मरम्मत का कार्य तेजी से कराया जा रहा है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि बारिश के दौरान आवश्यक सावधानी बरतें तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर बीरेन्द्र बहादुर पंचभाई, एसडीएम अभयजीत मण्डावी, तहसीलदार सौरभ चौरसिया, जनपद सीईओ गुरमित सिंह सहित ग्रामीणजन उपस्थित थे।

# नारायणपुर पूर्व विधायक चंदन कश्यप ने आज मर्दापाल ब्लॉक अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में पहुंचकर बाढ़ से प्रभावित लोगों से जनसम्पर्क किया

**कोंडागांव ।** पूर्व विधायक ने कोंडागांव जिला के मर्दापाल ब्लॉक अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत रेंगागोंदी, ग्राम आदनार ग्राम चेमा पहुंचकर बाढ़ से प्रभावित लोगों से मिले लगातार बारिश कारण बाढ़ से ग्राम पंचायतों का संपर्क टूटा, स्कूल नहीं पहुंच पा रहे बच्चे लगातार बारिश और नदियों के उफान से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। शासन-प्रशासन संज्ञान में नहीं ले रही बाढ़ के कारण मुख्यालय से ग्राम पंचायतों का सड़क और पुल संपर्क टूट गया है। संपर्क कटने से पंचायतों में राशन, दवाइयां और एंबुलेंस नहीं पहुंच पा रही। ग्रामीणों को आवागमन के लिए जान जोखिम में डालकर नदी पार करनी पड़ रही है। गर्भवती महिलाओं और बीमार लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। फसल भी पूरी तरह बर्बाद हो गई है। बाढ़ पीड़ित ग्रामीणों ने सरकार से मांग की कि पीड़ितों को मुआवजा मिले और नदी पर मजबूत तटबंध बनाने की मांग की.ताकि बच्चे स्कूल जा सके इस दौरान मर्दापाल ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र कोर्राम, जिला उपाध्यक्ष निलय कश्यप, आदिवासी ब्लॉक अध्यक्ष बबलू बघेल, मयूर नायक, राजेंद्र साहू एंव ग्रामीण उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

## डेटिंग एप्स से मोहभंग: सीधे संपर्क से रिश्तों की तलाश

लंदन, एजेंसी। परिचय कराने वाले मोबाइल इस्तेमाल से बढ़ती निराशा के बीच युवा अब

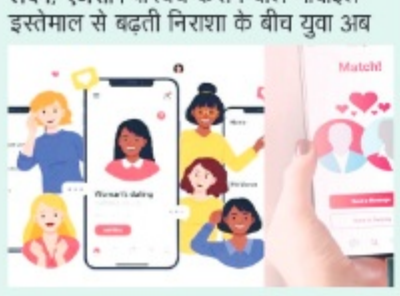

रिश्ते बनाने के लिए वास्तविक जीवन के आयोजनों का रुख कर रहे हैं। फोर्ब्स के एक सर्वेक्षण में 5,000 अमेरिकियों में से 80 फीसदी युवाओं और 79 फीसदी नई पीढ़ी के लोगों ने माना कि वे ऐसे उपयोग से थक चुके हैं। ब्रिटेन में भी 2024 के दौरान कई लोकप्रिय परिचय अनुप्रयोगों के उपयोगकर्ताओं की संख्या में कमी दर्ज की गई है। लंदन में हर महीने आयोजित होने वाला चिकन रश नामक खेल सिंगल (अविवाहित) लोगों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। इसमें करीब 120 प्रतिभागी समूह बनाकर मुर्गे के वेश में छिपे व्यक्ति को खोजते हैं। चिकन रश नामक खेल के दौरान नृत्य और अन्य मनोरंजक चुनौतियों के माध्यम से प्रतिभागियों को एक-दूसरे से परिचित होने का अवसर मिलता है। आयोजक फ्रेड पैरी के अनुसार, 2022 में सिंगल लोगों के लिए शुरू हुए इस आयोजन की प्रतीक्षा सूची एक वर्ष में 3000 लोगों तक पहुंच गई। इसी प्रकार, सालसा नृत्य और परिचय बढ़ाने वाले खेलों के माध्यम से आयोजित कार्यक्रमों में लोग बिना किसी दबाव के नए लोगों से मिल रहे हैं। हाल ही में ऐसे एक आयोजन में 80 लोगों ने भाग लिया। वहीं, एक अन्य विशेष रात्रिभोज कार्यक्रम में छह फुट से कम कद वाले पुरुषों के लिए अलग से आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं के प्रवेश-पत्र सबसे पहले बिक गए। बदलते रुझान को देखते हुए परिचय कराने वाली कंपनियां भी अपनी रणनीति बदल रही हैं और लोगों को सामाजिक तथा सांस्कृतिक आयोजनों से जोड़ने पर जोर दे रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अब लोग मोबाइल स्क्रीन के बजाय साझा अनुभवों और प्रत्यक्ष मुलाकातों के माध्यम से रिश्ते बनाना अधिक पसंद कर रहे हैं।

## प्रमुख कीटनाशक बेअसर: भारत से निकले सुपरमच्छर का अफ्रीकी महानगरों में आतंक

प्रिटोरिया, एजेंसी। अफ्रीका में मलेरिया के खिलाफ दशकों से चल रही लड़ाई के सामने अब एक नया और कहीं अधिक जटिल

खतरा उभर आया है। एनाफिलीज स्टेफेंसी नामक आक्रामक मच्छर महाद्वीप में पहले के अनुमान से कहीं अधिक तेजी से फैल चुका है। दिलचस्प बात यह है कि एनाफिलीज स्टेफेंसी भारतीय उपमहाद्वीप के लिए कोई नई प्रजाति नहीं है। यह भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल के कुछ हिस्सों, श्रीलंका और ईरान में लंबे समय से पाया जाता है तथा भारत के कई शहरों में शहरी मलेरिया फैलाने वाले प्रमुख वाहकों में शामिल है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यही मच्छर संभवत: वर्ष 2013 के आसपास भारत या पाकिस्तान से समुद्री मार्ग के जरिये जिबूती पहुंचा और वहां से पूरे अफ्रीका में तेजी से फैल गया। इसलिए यह अध्ययन भारत में किसी नए मच्छर के आगमन का नहीं, बल्कि भारतीय उपमहाद्वीप की एक परिचित प्रजाति के अफ्रीका में खतरनाक विस्तार का संकेत देता है। वैज्ञानिकों के ताजा जीनोमिक अध्ययन में पता चला है कि यह मच्छर मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रमों में इस्तेमाल होने वाले लगभग सभी प्रमुख कीटनाशकों के प्रति प्रतिरोध विकसित कर चुका है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि यह पारंपरिक अफ्रीकी मलेरिया वाहक मच्छरों के विपरीत शहरों में भी आसानी से पनपता है और पूरे वर्ष मलेरिया फैला सकता है।

# महिला ने कूड़े में फैंक दी 11 करोड़ की जीती हुई लॉटरी टिकट

### 6 टन कचरे के ढेर से फिर ऐसे मिल गई वापस

**रोम , एजेंसी।** कहते हैं किस्मत कब पलट जाए, कोई नहीं जानता। इटली में एक महिला के साथ ऐसा ही हुआ, लेकिन उसकी किस्मत ने उसे एक बार नहीं, बल्कि दो बार चौंकाया। महिला ने करीब 11 करोड़ रुपये यानी 10 लाख यूरो की लॉटरी जीत ली थी, लेकिन तकनीकी गड़बड़ी के कारण उसे लगा कि टिकट बेकार है। उसने टिकट कूड़ेदान में फेंक दिया। बाद में जब पता चला कि वही टिकट करोड़ों का विजेता है, तो उसकी हालत खराब हो गई। कूड़ा उठाया जा चुका था। इसके बाद सफाई कर्मचारियों ने करीब 6 टन कचरे के बीच उस छोटे से टिकट को खोजने के लिए घंटों अभियान चलाया और आखिरकार उसे ढूंढ़ निकाला। रिपोर्ट के मुताबिक, महिला ने एक लॉटरी टिकट खरीदा था। कुछ समय बाद वह टिकट का नतीजा देखने के लिए सेल्फ-सर्विस मशीन के पास पहुंची। लेकिन मशीन में तकनीकी गड़बड़ी थी। स्क्रीन पर ऐसा संदेश दिखाई दिया, जिससे महिला को लगा कि उसके टिकट पर कोई इनाम नहीं निकला है। उसने दोबारा जांच किए बिना टिकट को बेकार समझ लिया और उसे पास के कूड़ेदान में फेंक दिया।

महिला को जरा भी अंदाजा नहीं था कि जिस टिकट को वह कचरा समझकर फेंक रही है, वही उसे 10 लाख यूरो का इनाम दिलाने वाला है। कुछ देर बाद महिला ने अपने परिवार

को पूरी घटना बताई। परिवार के एक सदस्य को शक हुआ कि शायद मशीन ने टिकट को सही तरीके से स्कैन नहीं किया।इसके बाद टिकट की दोबारा जानकारी ली गई। तब सामने आया कि टिकट वास्तव में विजेता था और उस पर 10 लाख यूरो यानी लगभग 11 करोड़ रुपये का इनाम निकला था। यह सुनते ही महिला के होश उड़ गए। वह तुरंत उस दुकान पर पहुंची, जहां उसने टिकट की जांच की थी। लेकिन तब तक कूड़ा उठाया जा चुका था। महिला ने दुकान के कर्मचारियों को पूरी बात बताई। वहां से पता चला कि कूड़ा नगर निगम की गाड़ी में जा चुका है। इसके बाद स्थानीय कचरा प्रबंधन कंपनी के अधिकारियों से संपर्क किया गया। कंपनी के अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया और महिला की मदद करने का फैसला किया।

सबसे पहले यह पता लगाया गया कि दुकान का कूड़ा किस ट्रक में गया था और वह ट्रक इस समय कहां है। ट्रक की पहचान होने के बाद उसे आगे की प्रक्रिया के लिए रोक दिया गया।इसके बाद शुरू हुआ असली अभियान करीब 6 टन कचरे के बीच एक छोटे से लॉटरी टिकट की तलाश। सफाई कर्मचारियों और कचरा प्रबंधन टीम ने कचरे को खंगालना शुरू किया। इतने बड़े ढेर के बीच एक छोटे से कागज के टिकट को ढूंढ़ना बेहद मुश्किल काम था।कई घंटों की तलाश के बाद आखिरकार टीम को वह टिकट मिल गया। जब अधिकारियों ने महिला को बताया कि उसका टिकट मिल गया है, तो वह भावुक हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, उसकी आंखों में खुशी के आंसू आ गए। उसे यकीन ही नहीं हो रहा था कि जिस टिकट को वह कुछ समय पहले कूड़ेदान में फेंक चुकी थी, वही वापस उसके हाथ में होगा। इस घटना के बाद सफाई कर्मचारियों और कचरा प्रबंधन टीम की ईमानदारी की जमकर तारीफ हो रही है। इतने बड़े इनाम वाले टिकट को कचरे के ढेर में खोजने के बावजूद कर्मचारियों ने उसे अपने पास रखने के बजाय सही मालिक तक पहुंचाने की कोशिश की। उनकी मेहनत के कारण महिला करीब 11 करोड़ रुपये की लॉटरी जीत से हाथ धोने से बच गई।

# महल छोड़ सेना में शामिल हुई डेनिश राजकुमारी इसाबेला, वेतन लेने से किया इनकार

**कोपेनहेगन , एजेंसी।** डेनमार्क के शाही परिवार में ऐतिहासिक पल आया। किंग फ्रेडरिक ङ्क और क्वीन मैरी की 19 साल की बेटी प्रिंसेस इसाबेला ने 3 अगस्त को 11 महीने की मिलिट्री सर्विस शुरू कर दी।

वह डेनमार्क के शाही परिवार की पहली महिला सदस्य हैं जिन्हें पूरी एक्टिव मिलिट्री भर्ती दी जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, हाई स्कूल से ग्रेजुएट होने के कुछ हफ्ते बाद ही इसाबेला स्लैगेल्से के एंटवोर्सकोव बैरक में गार्ड हुसार रेजिमेंट में रिपोर्ट करने पहुंचीं। अपने पहले दिन प्रिंसेस ने लो-प्रोफाइल रखा। वह खुद काली स्कूटर चलाकर बैरक पहुंचीं। पहनावा भी आम लड़कियों जैसा था। एंट्रेंस पर उन्होंने ड्यूटी पर तैनात गार्ड को अपनी पहचान दिखाई। कुछ लोकल जर्नलिस्ट और फोटोग्राफर मौजूद थे। अंदर जाने से पहले प्रिंसेस ने उनसे थोड़ी देर बात भी की।

इसाबेला अपने बड़े भाई क्राउन प्रिंस क्रिश्चियन के नक्शेकदम पर चल रही हैं। क्रिश्चियन ने भी इसी बैरक में सर्विस पूरी की थी और अब सेकंड लेफ्टिनेंट की ट्रेनिंग ले रहे हैं। डेनमार्क के शाही परिवार के सदस्य पारंपरिक रूप से आर्म्ड फोर्सेज़ में काम करते आए हैं, लेकिन एक्टिव 11 महीने की भर्ती पूरी करने वाली पहली महिला इसाबेला ही हैं।

दूसरे रिक्रूट्स से अलग, प्रिंसेस इसाबेला को कोई सैलरी या डेली अलाउंस नहीं मिलेगा। डेनमार्क के शाही परिवार ने कन्फर्म किया है कि इसाबेला ने पैसे लेने से मना कर दिया है। सर्विस के दौरान वह माता-पिता की फाइनेंशियल मदद पर निर्भर रहेंगी।

आमतौर पर डेनमार्क में कॉन्स्क्रिप्ट्स को 11 महीने की सर्विस के दौरान महीने की सैलरी, टैक्स-फ्री डेली अलाउंस मिलता है। इसाबेला की भर्ती ऐसे समय में हुई है जब यूक्रेन युद्ध और आर्कटिक में तनाव के कारण डेनमार्क अपनी सेना मजबूत कर रहा है। डेनमार्क ने 2024 में महिलाओं के लिए अनिवार्य मिलिट्री सर्विस शुरू की और सर्विस की अवधि 4 महीने से बढ़ाकर 11 महीने कर दी। इसी हफ्ते करीब 1,600 युवा नई एक्सटेंडेड सर्विस में शामिल हुए हैं। इस महीने के आखिर में कुछ रिक्रूट्स को पहली बार ग्रीनलैंड में भी ऑपरेशनल ड्यूटी के लिए तैनात किया जाएगा।

## अमेरिका जाने की है तैयारी: जान लें यूएससीआईएस का नया नियम

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा ने अपने अधिकारियों को फिर से यह विवेकाधिकार दे दिया है कि यदि कोई व्यक्ति इमिग्रेशन लाभ के लिए अधूरा आवेदन जमा करता है या पात्रता साबित करने के लिए जरूरी दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराता, तो अधिकारी बिना अतिरिक्त अवसर दिए भी उसका आवेदन खारिज कर सकते हैं।

इससे पहले लागू नीति के तहत, यदि किसी आवेदन में अतिरिक्त जानकारी या दस्तावेजों की जरूरत होती थी, तो आवेदकों को रिक्वेस्ट फॉर एविडेंस या नोटिस ऑफ इंटेंट टू डिनाई मिलने के बाद जवाब देने के लिए 12 सप्ताह का समय दिया जाता था। वहीं, यदि यह नोटिस अमेरिका के बाहर भेजा जाता था, तो जवाब देने की समय-सीमा में अतिरिक्त 14 दिन भी जोड़े जाते थे। बुधवार को जारी अपने बयान में कहा, 'आवेदनकर्ता की जिम्मेदारी है कि वह आवेदन दाखिल करते समय यह साबित करे कि वह मांगे गए इमिग्रेशन लाभ के लिए पात्र है और निर्णय होने तक उसकी पात्रता बनी रहती है।'

नई नीति तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। इसका असर केवल नए आवेदनों पर ही नहीं, बल्कि उन सभी आवेदनों पर भी पड़ेगा जो फिलहाल स्ट्रक्चर के पास लंबित हैं। नई गाइडलाइन के तहत अधिकारी आवश्यक प्रारंभिक दस्तावेजों के अभाव में आवेदन खारिज कर सकते हैं। यदि आवेदन दाखिल करते समय पात्रता स्थापित नहीं होती है, तब भी उसे अस्वीकार किया जा सकता है। हालांकि, यदि अधिकारी उचित समझें, तो वे अतिरिक्त दस्तावेज मांगने के लिए जारी करने का विकल्प भी चुन सकते हैं।

**यूएससीआईएस ने इस बदलाव की जरूरत क्यों बताई:** यूएससीआईएस ने कहा कि उसके संज्ञान में ऐसे मामले आए थे, जिनमें कुछ लोग जानबूझकर अधूरे आवेदन दाखिल कर देते थे ताकि मूल आवेदन पर फैसला आने तक वे रोजगार प्राधिकरण जैसे अन्य इमिग्रेशन लाभ हासिल कर सकें। एजेंसी का मानना है कि नई नीति ऐसे मामलों पर रोक लगाने में मदद करेगी।

## अपने पालतू कुत्तों को मारो और उनका सूप बना कर पीओ, सनकी किंग ने दी गई लोगों को अजीब सलाह

प्योंगयांग , एजेंसी। नॉर्थ कोरिया इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। तापमान कई इलाकों में 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास या उससे ऊपर पहुंचने की खबरों के बीच वहां की सरकारी मीडिया में लोगों को पारंपरिक डॉग मीट सूप पीने की सलाह दिए जाने की खबर सामने आई है। सरकारी अखबार रोडोंग सिनमुन में प्रकाशित एक रिपोर्ट में एक वरिष्ठ डॉक्टर के हवाले से इस पारंपरिक व्यंजन को गर्मी के मौसम में शरीर को ऊर्जा देने वाला बताया गया।

हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि इसे पूरे देश के लिए जारी कोई अनिवार्य सरकारी फरमान मानना सही नहीं होगा। उपलब्ध रिपोर्टों में इसे सरकारी मीडिया में प्रकाशित सलाह के तौर पर बताया गया है। रिपोर्टों के मुताबिक, कोरियाई भाषा में इस व्यंजन को 'डांगोगी गुक' कहा जाता है। इसका अर्थ लगभग 'मीठे मांस का सूप' बताया जाता है।नॉर्थ कोरिया में लंबे समय से कुत्ते के मांस से बने कुछ पारंपरिक व्यंजन खाए जाते रहे हैं। सरकारी मीडिया में प्रकाशित रिपोर्ट में दावा किया गया कि यह सूप गर्मी के दौरान शरीर को ऊर्जा देने और हीट स्ट्रोक जैसी समस्याओं से निपटने में मदद कर सकता है। रिपोर्ट में इसके कई अन्य स्वास्थ्य लाभों का भी दावा किया गया है। सरकारी मीडिया में प्रकाशित सामग्री में डॉग सूप को दिल से जुड़ी बीमारियों, डायबिटीज और हाइपरथायरॉयडिज्म जैसी समस्याओं के लिए भी लाभकारी बताया गया। हालांकि, इन दावों को लेकर सावधानी जरूरी है। इन स्वास्थ्य लाभों के समर्थन में पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए डॉग मीट सूप को किसी बीमारी के इलाज या हीट स्ट्रोक से बचाव का प्रमाणित तरीका नहीं माना जा सकता। नॉर्थ कोरियाई समाज में डॉग सूप को लेकर कुछ पारंपरिक मान्यताएं भी रही हैं।

# अमेरिकी प्रतिबंधों से क्यूबा में हाहाकार; अस्पतालों में व्यवस्था तबाह, खतरे में लाखों मरीजों की जान

**हवाना, एजेंसी।** क्यूबा ने अमेरिका के लंबे समय से चले आ रहे व्यापारिक प्रतिबंधों और हालिया ईंधन संकट को अपनी स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा बताया है। क्यूबा के उप स्वास्थ्य मंत्री जूलियो गुएरा के अनुसार, बिजली की लगातार कटौती और जरूरी संसाधनों की कमी का सीधा असर अस्पतालों, दवाओं और मरीजों की जिंदगी पर पड़ रहा है। हवाना के हरमनोस अमेइहेइरास क्लिनिकल सर्जिकल अस्पताल में दवाओं के एक दान कार्यक्रम के दौरान गुएरा ने कहा कि जब बिजली की स्थिर आपूर्ति नहीं होती, तो दवाओं को सुरक्षित रखना मुश्किल हो जाता है। उनके मुताबिक, बिजली कटौती और संसाधनों पर लगी पाबंदियां मरीजों के लिए जोखिम बढ़ा रही हैं।

क्यूबा के अधिकारियों ने अमेरिका के प्रतिबंधों को स्वास्थ्य संकट की प्रमुख वजहों में शामिल किया है। उप स्वास्थ्य मंत्री गुएरा ने अमेरिकी प्रतिबंधों को बेहद कठोर बताते हुए कहा कि इनकी वजह से क्यूबा को स्वास्थ्य व्यवस्था चलाने के लिए जरूरी संसाधन हासिल करने में मुश्किल हो रही है। क्यूबा के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, मार्च 2024 से फरवरी 2025 के बीच देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र को करीब 28.8 करोड़ डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ। क्यूबा का दावा है कि छह दशक से अधिक समय से जारी अमेरिकी प्रतिबंधों से अब तक कुल नुकसान करीब 4.2 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। 1 लाख से ज्यादा लोग सर्जरी के इंतजार में अस्पताल के उप निदेशक रेनाल्डो डेनिस डी आर्मास ने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों ने क्यूबा की अर्थव्यवस्था को लंबे समय से प्रभावित किया है, लेकिन हालिया ईंधन संकट ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। ईंधन की कमी का असर बिजली उत्पादन और परिवहन व्यवस्था

पर पड़ रहा है। बिजली कटौती के कारण अस्पतालों में दवाओं और अन्य चिकित्सा सामग्री को सुरक्षित रखने के साथ-साथ चिकित्सा सेवाओं को लगातार जारी रखना भी चुनौती बन गया है। क्यूबा के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, देश में 1 लाख से ज्यादा लोग सर्जरी का इंतजार कर रहे हैं। आपूर्ति की कमी और ऊर्जा संकट के कारण स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुई हैं।इन मरीजों में 5,000 से ज्यादा कैंसर मरीज और करीब 12,000 बच्चे शामिल बताए गए हैं। अस्पतालों में जरूरी उपकरणों, दवाओं और अन्य चिकित्सा सामग्री की उपलब्धता को लेकर भी दबाव बना हुआ है। क्यूबा के जैव प्रौद्योगिकी समूह ने चेतावनी दी है कि वह करीब 300 जरूरी दवाओं की नियमित आपूर्ति की गारंटी नहीं दे सकता। संगठन के अनुसार, कच्चे माल और अन्य जरूरी इनपुट हासिल करने में आ रही मुश्किलों के कारण दवा उत्पादन और आपूर्ति प्रभावित हो रही है। क्यूबा का कहना है कि यह स्थिति सिर्फ अस्पतालों तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की पूरी सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था पर असर डाल रही है। क्यूबा सरकार के अनुसार, बिगड़ती आर्थिक परिस्थितियों का असर स्वास्थ्य संकेतकों पर भी दिखाई देने लगा है। सरकार ने दावा किया है कि बच्चों में कैंसर से जीवित बचने की दर में गिरावट आई है। वहीं, आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2025 में क्यूबा की शिशु मृत्यु दर बढ़कर 9.9 प्रति 1,000 जीवित जन्म हो गई। क्यूबा ने इसे अपनी खराब होती आर्थिक और स्वास्थ्य परिस्थितियों से जोड़कर देखा है।

## अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना में अंधाधुंध गोलीबारी, कई लोगों की मौत; एक घायल का इलाज जारी

नॉर्थ कैरोलिना, एजेंसी। अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना राज्य के कैसवेल काउंटी में बुधवार सुबह एक घर में हुई अंधाधुंध गोलीबारी में कई लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस और जांच एजेंसियां मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी हैं। नॉर्थ कैरोलिना स्टेट ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 8 बजे (स्थानीय समय) पुलिस को एक घर में गोलीबारी की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस और शेरिफ कार्यालय की टीम मौके पर पहुंची। वहां कई लोग गोली लगने से घायल मिले। घायलों में से एक व्यक्ति को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि कई अन्य लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कैसवेल काउंटी के शेरिफ टोनी डर्डन ने बताया कि मृतकों में एक संदिग्ध हमलावर भी शामिल है। कुल तीन परिवार के सदस्यों की मौत हुई है, जबकि एक अन्य रिश्तेदार घायल होकर अस्पताल में भर्ती है। हालांकि, गोलीबारी की वजह अभी साफ नहीं हो सकी है। अमेरिका में बंदूक हिंसा लंबे समय से गंभीर समस्या बनी हुई है। हर साल देश में सैकड़ों सामूहिक गोलीबारी की घटनाएं सामने आती हैं, जिनमें बड़ी संख्या में लोगों की जान जाती है।

# मिशिगन प्राइमरी जीतकर अब्दुल अल-सईद ने रचा इतिहास, बन सकते हैं अमेरिका के पहले मुस्लिम सीनेटर

**वाशिंगटन , एजेंसी।** अमेरिका अपने पहले मुस्लिम सीनेटर को चुनने के करीब पहुंच गया है। मिशिगन से डेमोक्रेटिक नेता अब्दुल अल-सईद ने 2026 चुनाव चक्र की सबसे चर्चित प्राइमरी में पार्टी के बड़े नेताओं के समर्थन वाली चार बार की प्रतिनिधि हेली स्टीवंस को हरा दिया है।

अगर अल-सईद नवंबर में रिपब्लिकन उम्मीदवार माइक रोजर्स को हरा देते हैं, तो वह अमेरिकी राजनीति में 250 साल का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। देश बनने के बाद से अब तक कोई मुस्लिम सीनेट के लिए नहीं चुना गया है।

मिस्र-अमेरिकी डॉक्टर, रोड्स स्कॉलर, पॉडकास्टर और प्रोग्रेसिव नेता अल-सईद की जीत को डेमोक्रेटिक पार्टी के अंदर बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। स्टीवंस को सीनेट माइनॉरिटी लीडर चक शूमर, गवर्नर ग्रेटचेन व्हिटमर, सीनेटर गैरी पीटर्स और डेमोक्रेटिक पार्टी के ज्यादातर बड़े नेताओं का समर्थन था।

इजराइल-समर्थक समूहों ने भी उनके लिए करोड़ों डॉलर खर्च किए।वहीं कम पैसे वाले अल-सईद ने वॉलंटियर्स, छोटे दानदाताओं और बर्नी सैंडर्स, एलिज़ाबेथ वॉरेन जैसे प्रगतिशील नेताओं के समर्थन से बाजी पलट दी। उन्होंने कैंपेन में कहा कि कॉर्पोरेट पैसे ने अमेरिका को भ्रष्ट कर

दिया है। यह चुनाव सिर्फ एक सीट का नहीं, बल्कि डेमोक्रेटिक पार्टी की दिशा का भी मुकाबला बन गया।अल-सईद के मुद्दों में सभी के लिए मेडिकेयर, अमीरों पर ज्यादा टैक्स, राजनीति से कॉर्पोरेट पैसा हटाना और इजराइल को सैन्य सहायता बंद करना शामिल रहे। उन्होंने गाजा युद्ध को नरसंहार बताया। डेट्रॉइट के पास जन्मे अल-सईद ने मिशिगन यूनिवर्सिटी, कोलंबिया और ऑक्सफोर्ड से पढ़ाई की। वह रोड्स स्कॉलर रहे और बाद में डेट्रॉइट स्वास्थ्य विभाग का नेतृत्व किया। 2018 में वह गवर्नर पद के लिए भी चुनाव लड़े थे। राजनीति में हार के बाद उन्होंने कंसल्टिंग की जगह जमीनी स्तर पर नेटवर्क बनाया।

**डेमोक्रेटिक पार्टी में क्या बदला?:** विशेषज्ञों का मानना है कि अल-सईद की जीत दिखाती है कि प्रगतिशील अर्थशास्त्र और सत्ता-विरोधी राजनीति अब सिर्फ तटीय शहरों तक सीमित नहीं है। मिशिगन जैसे स्विंग स्टेट में इस तरह की जीत पार्टी के भविष्य को लेकर बहस छेड़ देगी।

स्थापित नेता मानते हैं कि ऐसे उम्मीदवार स्विंग वोटर्स को नाराज कर सकते हैं। वहीं प्रगतिशीलों का कहना है कि सावधान मध्यमार्गी नीति से ही पार्टी बार-बार हार रही है।

नवंबर में अल-सईद की जीत या हार तय करेगी कि मिशिगन प्रगतिशील राजनीति की नई राह बनेगा या यह सिर्फ एक और उलटफेर रहेगा।

# घर पर रुद्राभिषेक करने के सही नियम और विधि

सावन आते ही हर तरफ शिव भक्ति का माहौल बन जाता है। इस महीने में भोलेबाबा को खुश करने का सबसे बढ़िया तरीका रुद्राभिषेक माना गया है। कहते हैं कि सावन में अगर घर पर रुद्राभिषेक करा लिया जाए, तो घर की नकारात्मकता दूर भागती है और सुख समृद्धि का वास होता है। पर हां, इस पूजा का पूरा फल तभी मिलता है जब आप इसे सही कायदे कानून से करें। अगर आप भी इस बार अपने घर पर रुद्राभिषेक की सोच रहे हैं, तो कुछ बहुत जरूरी बातें हैं जिन्हें जानना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

### पूजा की तैयारी सफाई से शुरू

पूजा की तैयारी हमेशा सफाई से शुरू होती है। जिस कमरे या जगह पर आप रुद्राभिषेक करने वाले हैं, वहां झाड़ू पोछा अच्छे से कर लें। कहीं भी धूल या मकड़ी के जाले न रहें।

सफाई के बाद वहां एक साफ सुथरा आसन बिछाएं और उस पर शिवलिंग स्थापित करें। एक बात का खास ख्याल रखें। शिवलिंग का रुख हमेशा उत्तर दिशा की तरफ होना चाहिए, और जब आप पूजा में बैठें तो आपका मुंह पूर्व दिशा की ओर हो। अगर दिशा को लेकर थोड़ा भी कन्फ्यूजन हो, तो पंडित जी से पहले ही पूछ लेना सही रहता है।

### खान पान और संकल्प के नियम

घर में रुद्राभिषेक वाले दिन माहौल पूरी तरह सात्विक होना चाहिए। इस दिन घर की रसोई में लहसुन, प्याज या कोई भी तामसिक चीज बिल्कुल न बनाएं। अगर आप शादीशुदा हैं, तो पति पत्नी दोनों साथ बैठकर ही पूजा का संकल्प लें।

जो लोग मुख्य रूप से पूजा में बैठ रहे हैं, उन्हें अभिषेक पूरा होने तक खाली पेट रहना चाहिए। एक और छोटी लेकिन जरूरी बात अभिषेक करते वक्त जल या दूध चढ़ाने के लिए श्रृंगी का ही इस्तेमाल करें, और धार बीच में रुकनी नहीं चाहिए।

### शुरुआत ऐसे करें, लें संकल्प

पूजा वाले दिन सुबह सुबह उठकर नहा लें और साफ सुथरे कपड़े पहनें। सबसे पहले शिवलिंग पर थोड़ा साफ जल चढ़ाएं और पास में जल से भरा कलश रख लें। फिर अपने दाहिने हाथ में थोड़ा सा पानी, चावल और एक सिक्का लें।

अपना नाम और गोत्र बोलते हुए मन ही मन पूजा का संकल्प लें और पानी जमीन पर छोड़ दें। इसके बाद 'ॐ नमः शिवाय' का मन में जाप करते हुए जल, दूध या गंगाजल से अभिषेक शुरू कर दें।

### पूजा का समापन और प्रसाद वितरण

अभिषेक पूरा हो जाए तो शिवलिंग पर चंदन का तिलक लगाएं। इसके बाद शिवजी की पसंदीदा चीजें जैसे बेलपत्र, धतूरा, फूल, अक्षत और थोड़े काले तिल चढ़ाएं। फिर शिव चालीसा पढ़ें या रुद्राष्टकम का पाठ करें। आखिरी में धूप दीप से आरती उतारें और जाने अनजाने हुई भूल चूक के लिए हाथ जोड़कर माफी मांग लें। आरती के बाद सबसे पहले सबको प्रसाद बांटें, और फिर खुद भी प्रसाद लेकर अपना व्रत खोलें।

# हरियाली तीज पर रख रही हैं निर्जला व्रत?

## कमजोरी से बचने के लिए अपनाएं ये असरदार टिप्स

सावन के महीने में हरियाली तीज का त्योहार सुहागिन महिलाओं के लिए बेहद खास और पवित्र माना जाता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और सुखी शादीशुदा जिंदगी के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। हालांकि, अगस्त की गर्मी और उमस के बीच पूरे दिन बिना पानी के रहना शरीर के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। व्रत के दौरान सिरदर्द, चक्कर आना, सुस्ती और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याओं से बचने के लिए सही देखभाल बहुत जरूरी है।

अगर आप भी हरियाली तीज पर निर्जला व्रत रख रही हैं तो कमजोरी से बचने के लिए कुछ उपायों के बारे में बताएंगे। जिसको आपको लाभ हो सकता है। व्रत शुरू होने से एक दिन पहले खूब पानी पिएं। अपने आहार में नारियल पानी, नींबू पानी, और छाछ जैसे तरल पदार्थ शामिल करें। शरीर में पानी का अच्छा स्तर रहने से अगले दिन प्यास और थकावट कम महसूस होगी।

### सरगी यानी कि व्रत के पहले खाने में लें कॉम्प्लेक्स कार्ब्स

व्रत की शुरुआत से पहले मिलने वाले समय या सरगी में तला-भुना खाने के बजाय खजूर, भीगे हुए बादाम, अखरोट, और फल जैसे केला या सेब खाएं। कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट और फाइबर पचने में समय लेते हैं, जिससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती।

### भारी शारीरिक काम और धूप से बचें

निर्जला व्रत वाले दिन शरीर में पानी की कमी होती है। ऐसे में तेज धूप में निकलने या भारी घर के काम करने से बचें। ज्यादा पसीना निकलने से डिहाइड्रेशन की समस्या तेजी से बढ़ सकती है।

### ब्रीदिंग एक्सरसाइज और हल्की झपकी लें

थकान महसूस होने पर दिन में 15–20 मिनट की हल्की झपकी लें। इसके अलावा अनुलोम-विलोम और गहरी सांस लेने की क्रियाएं करें। इससे दिमाग शांत रहता है और शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह बेहतर होता है।

### व्रत खोलते समय एकदम से भारी खाना न खाएं

शाम को पूजा के बाद व्रत खोलते ही भारी, मसालेदार या मीठा खाना खाने की गलती न करें। सबसे पहले सादा पानी, नारियल पानी या सुपाच्य फल लें। इसके 20-30 मिनट बाद ही हल्का और सुपाच्य भोजन जैसे खिचड़ी या दलिया खाएं।

### व्रत के बाद इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बनाएं

व्रत पारण के बाद शरीर को तुरंत ताकत देने के लिए इलेक्ट्रोलाइट्स युक्त पेय लें। नीबू-पानी में चुटकी भर सेंधा नमक और शहद मिलाकर पीने से शरीर का मिनरल लेवल तुरंत रिकवर होता है।

# सावन में पहनें ये ट्रेंडी मल्टी-स्ट्रैंड डिजाइंस वाली बिछिया

सावन का महीना महिलाओं के लिए खास माना जाता है। इस दौरान हरे रंग के कपड़े, चूड़ियां, मेहंदी और पारंपरिक आभूषण पहनने का अलग ही महत्व होता है। अगर आप भी इस सावन अपने लुक में कुछ नया जोड़ना चाहती हैं, तो मल्टी-स्ट्रैंड बिछिया एक बेहतरीन विकल्प हो सकती है। इन दिनों सिल्वर मल्टी-स्ट्रैंड बिछिया के कई खूबसूरत डिजाइन ट्रेंड में हैं, जो पारंपरिक और मॉडर्न दोनों तरह के लुक के साथ आसानी से मैच हो जाते हैं। आइए जानते हैं ऐसे ही लेटेस्ट डिजाइन्स के बारे में।

### मल्टी-स्ट्रैंड बैंड बिछिया

अगर आप सिंपल लेकिन स्टाइलिश डिजाइन पसंद करती हैं, तो मल्टी-स्ट्रैंड बैंड बिछिया आपके लिए अच्छी पसंद हो सकती है। इसकी कई पतली परतें पैरों को आकर्षक लुक देती हैं। इसे साड़ी, सूट या इंडो-वेस्टर्न आउटफिट के साथ भी पहना जा सकता है।

### 5 लेयर मल्टी-स्ट्रैंड बिछिया

अगर आपको थोड़ा यूनिक और ट्रेंडी स्टाइल पसंद है, तो 5 लेयर मल्टी-स्ट्रैंड बिछिया शानदार विकल्प है। इसका मल्टी-लेयर डिजाइन पैरों को रॉयल लुक देता है। हल्के वजन में मिलने वाली ये बिछिया लंबे समय तक पहनने में भी आरामदायक रहती है।

### घुंघरू सिल्वर मल्टी-स्ट्रैंड बिछिया

घुंघरू वाली सिल्वर बिछिया पारंपरिक लुक पसंद करने वाली महिलाओं के बीच काफी लोकप्रिय है। चलते समय इसकी हल्की-सी छनक आकर्षण बढ़ा देती है। सावन, तीज या अन्य धार्मिक अवसरों पर यह डिजाइन बेहद खूबसूरत लगता है।

### ऑक्सीडाइज्ड मल्टी-स्ट्रैंड बिछिया

अगर आपको फ्यूजन या बोहो स्टाइल पसंद है, तो ऑक्सीडाइज्ड मल्टी-स्ट्रैंड बिछिया भी ट्राई कर सकती हैं। इसकी यूनिक फिनिश और आकर्षक पैटर्न एथनिक ड्रेस के साथ बेहद खूबसूरत दिखाई देते हैं। यह डिजाइन कॉलेज जाने वाली लड़कियों से लेकर महिलाओं तक सभी पर अच्छा लगता है।

सावन के दौरान सही बिछिया का चुनाव आपके पूरे लुक को और भी खास बना सकता है। अपनी पसंद, आराम और पहनने के अवसर को ध्यान में रखकर डिजाइन चुनें, ताकि आपका ट्रेडिशनल लुक और भी निखरकर सामने आए।

# आज का राशिफल

**मेष राशि** - आज कार्यक्षेत्र में प्रगति के नए अवसर मिलेंगे। आपकी लीडरशिप क्वालिटी की सराहना होगी। बिजनेस में पार्टनरशिप से संबंधित डील्स में सतर्क रहें और कोई भी बड़ा निवेश बिना एक्सपर्ट की सलाह के न करें। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में लगेगा। कठिन विषयों को समझने में शिक्षकों व सहपाठियों का सहयोग मिलेगा। परिवार में आनंदमय माहौल रहेगा। परिजनों का पूरा सहयोग मिलेगा।

**वृषभ राशि** - बिजनेस में नई योजनाओं को लागू करने के लिए दिन अच्छा है। शेयर बाजार या प्रॉपर्टी में निवेश सोच-समझकर करें। नौकरीपेशा लोगों को दफ्तर में सहकर्मियों के साथ तालमेल बिठाकर चलना होगा। एकाग्रता की कमी महसूस हो सकती है, इसलिए पढ़ाई के लिए एक निश्चित समय सारिणी बनाएं। दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी।

**मिथुन राशि** - कार्यक्षेत्र में आपकी वाक्पटुता और बुद्धिमत्ता से बड़े काम पूरे होंगे। मार्केटिंग व सेल्स से जुड़े लोगों को बेहतरीन अवसर मिलेंगे। व्यापार में आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को कोई शुभ समाचार मिल सकता है। लव पार्टनर के साथ रोमांटिक समय बिताएंगे। परिवार में किसी पुराने विवाद का अंत होगा और आपसी प्रेम बढ़ेगा।

**कर्क राशि** - नौकरीपेशा जातकों के लिए दिन पदोन्नति व मान-सम्मान लेकर आ सकता है। व्यापार में अचानक रुका हुआ धन मिलने से आपकी वित्तीय स्थिति बेहतर होगी। कला, साहित्य और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े विद्यार्थियों को उत्कृष्ट सफलता मिलेगी। माता-पिता का आशीर्वाद व सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी के साथ भावनाओं को शेयर करने से रिश्ते और मजबूत होंगे।

**सिंह राशि** - करियर व बिजनेस: कार्यक्षेत्र में आपकी प्रशासनिक क्षमता और कार्यकुशलता की तारीफ होगी। व्यापार में नए कॉन्ट्रैक्ट्स मिलने की संभावना है। अति-उत्साह या गुस्से में आकर कोई फैसला न लें। प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को अपनी कड़ी मेहनत के अनुकूल परिणाम मिलेंगे। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा। लव लाइफ में साथी की भावनाओं का सम्मान करें, अन्यथा गलतफहमी हो सकती है।

**कन्या राशि** - नौकरी में कामकाज का बोझ बढ़ सकता है, लेकिन आपकी सूझबूझ से सारे काम समय पर निपटेंगे। बिजनेस में हिसाब-किताब में पारदर्शिता रखें और अनपेक्षित खर्चों पर अंकुश लगाएं। एकाग्रता से पढ़ाई करने पर कठिन विषयों पर भी अच्छी पकड़ बनेगी। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे मानसिक तनाव कम होगा। परिजनों के साथ बैठकर पुरानी यादें साझा करेंगे।

**तुला राशि**- आर्थिक दृष्टिकोण से दिन बहुत बढ़िया है। एक से अधिक स्रोतों से आय होने की संभावना है। बिजनेस में पुरानी योजनाएं फिर से गति पकड़ेंगी, जिससे मुनाफा होगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है। ग्रुप स्टडी से नई जानकारियां और लाभ मिलेगा। लव पार्टनर के साथ कहीं घूमने या डिनर का प्लान बन सकता है। घरेलू सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

**वृश्चिक राशि** – कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों और अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा। व्यापार में नए लोगों से संपर्क स्थापित होंगे, जो भविष्य में बड़े मुनाफे का कारण बनेंगे। रिसर्च और साइंस से जुड़े छात्रों के लिए दिन विशेष रूप से सफलता देने वाला है। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति रहेगी। लव लाइफ में आ रही अड़चनें दूर होंगी और नया मोड़ आ सकता है।

**धनु राशि**- भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। वर्कप्लेस पर वरिष्ठ अधिकारी आपके सुझावों की सराहना करेंगे। बिजनेस में निवेश करने के लिए समय उत्तम है, धन-धान्य में वृद्धि होगी। धार्मिक व उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को गुरुजनों व मेंटर्स से बेहतरीन मार्गदर्शन मिलेगा। घर-परिवार में किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।

**मकर राशि** - करियर के मामले में दिन मिलाजुला रहेगा। काम में थोड़ी रुकावटें आ सकती हैं, लेकिन अपनी लगन से आप उन्हें पार कर लेंगे। बिजनेस में उधारी से बचें। एकाग्रता बनाए रखने के लिए फालतू की बातों और सोशल मीडिया से दूरी बनाएं। परिजनों से अपने मन की बात शेयर करें। दांपत्य जीवन में जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरूरी है।

**कुंभ राशि**- नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन या नई नौकरी का बेहतरीन अवसर मिल सकता है। बिजनेस में इनोवेटिव आइडियाज के साथ काम करेंगे, जिससे बड़ा धन लाभ होगा। तकनीकी व आईटी क्षेत्र से जुड़े छात्रों का प्रदर्शन बहुत शानदार रहेगा। सिंगल लोगों को उनका मनपसंद पार्टनर मिल सकता है। परिवार में सभी सदस्यों के साथ तालमेल बेहतरीन रहेगा।

**मीन राशि**- नौकरी में चल रही परेशानियां दूर होंगी। ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी। बिजनेस में रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है, जिससे आपकी तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा। मेहनत का पूरा फल मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलने के मजबूत योग हैं। सामाजिक व पारिवारिक कार्यक्रमों में जाने का मौका मिलेगा। लाइफ पार्टनर के साथ रिश्ते में मिठास और आपसी विश्वास बढ़ेगा।

# बारिश के मौसम में दही खाएं या नहीं!

## क्या इससे सर्दी-खांसी का डर?

दही की तासीर- क्या आप जानते हैं कि दही की तासीर गर्म होती है। इसके बावजूद मानसून के दौरान सर्दी-खांसी न हो जाए इसलिए लोग इसे खाने से बचते हैं। क्या ये मिथक है या फिर सच।। चलिए आपको एक्सपर्ट के जरिए बताते हैं।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट- डॉक्टर आशीष मेहरोत्रा (सीनियर कंसल्टेंट, क्रिटिकल केयर अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल) ने बताया ये धारणा गलत है कि मानसून में दही खाने से हर किसी को सर्दी-खांसी (कोल्ड-कफ) हो जाती है। आप इसे रूम टेंपरेचर पर करके खा सकते हैं।

**इस तरह खाने से होगी दिक्कत-** हालांकि, बारिश के मौसम में अगर दही बहुत ठंडी, लंबे समय तक फ्रिज में रखी हुई या बासी हो, तो कुछ लोगों को गले में असहजता या कफ बढ़ने जैसा महसूस हो सकता है, खासकर जिनकी इम्यूनिटी कमजोर हो या जिन्हें पहले से साइनस, एलर्जी या बार-बार जुकाम की समस्या रहती हो। इसलिए मानसून में ताजा दही, सामान्य तापमान पर और सीमित मात्रा में खाना बेहतर रहता है।

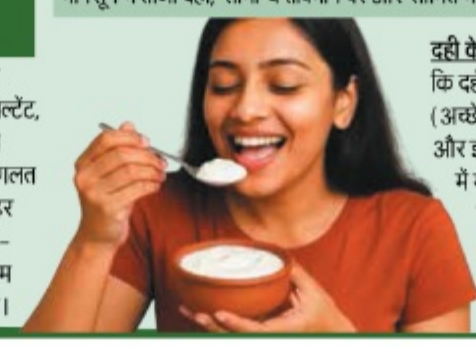

**दही के तत्व-** एक्सपर्ट बताते हैं कि दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स (अच्छे बैक्टीरिया) पाचन तंत्र और इम्यूनिटी को सपोर्ट करने में मदद करते हैं। जिन लोगों का पाचन ठीक नहीं रहता है उन्हें रोजाना ठीक मात्रा में दही को जरूर खाना चाहिए।

# पित्त बढ़ने से होती है बार-बार जलन और एसिडिटी?

पित्त बढ़ने के पीछे सबसे बड़ा कारण खानपान माना जाता है। अधिक मसालेदार, खट्टा, तला-भुना और प्रोसेस्ड फूड शरीर में गर्मी पैदा कर सकता है। इसके अलावा देर रात तक जागना, तनाव लेना, भोजन छोड़ना और गर्म मौसम में पर्याप्त पानी न पीना भी पित्त वृद्धि का कारण बन सकता है। आयुर्वेदिक ग्रंथ चरक संहिता में उल्लेख मिलता है कि अत्यधिक तीखे, अम्लीय और गर्म तासीर वाले आहार पित्त को बढ़ा सकते हैं।

## जीवशैली में करें बदलाव

**अगर आपको सीने में जलन, खट्टी डकारें, अधिक प्यास, मुंह में कड़वाहट, त्वचा पर लालिमा और चिड़चिड़ापन शामिल हो रहा है तो आयुर्वेद के अनुसार यह पित्त बढ़ने का संकेत हो सकता है। पित्त पाचन क्रिया के लिए आवश्यक माना जाता है। पित्त बढ़ने से होने वाली परेशानी को आप घर पर ही आसानी से शांत कर सकते हैं। आगे जानते उन उपायों के बारे में जिनसे आप इस समस्या में आराम पा सकते हैं।**

### जानते हैं कि किन कारणों से पित्त बढ़ जाता है?

आयुर्वेद में पित्त को अग्नि और जल तत्व का मिश्रण माना गया है। यह शरीर में पाचन, ऊर्जा उत्पादन और तापमान नियंत्रण का काम करता है। जब इसकी मात्रा सामान्य से अधिक हो जाती है तो शरीर में गर्मी बढ़ने लगती है।

### गाय का घी का सेवन करें

सुबह उठने के तुरंत बाद गुनगुने पानी के साथ एक चम्मच गाय का घी लेना पित्त को कम करने का एक बेहतरीन तरीका है। इस उपाय को आप रोजाना की दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं। इसके प्रभाव दिखने में थोड़ा समय लग सकता है आप धैर्य के साथ इसे अपनाएं।

### ठंडी तासीर वाले खाद्य पदार्थ खाएं

पित्त को संतुलित करने के लिए खीरा, लौकी, तरबूज, खरबूजा और अनार जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन लाभदायक माना जाता है। इनमें पानी की मात्रा अधिक होती है जो शरीर की गर्मी कम करने में मदद कर सकती है।

### जीरा और धनिया का पानी

डॉक्टर के अनुसार पित्त दोष होने पर व्यक्ति को एसिडिटी की समस्या सबसे पहले दिखाई देती है। इस समस्या से बचने के लिए आप जीरा या धनिया (धनिया के बीज) का पानी पी सकते हैं। इससे पेट की जलन तुरंत शांत हो जाती है।

### सौंफ का सेवन करें

आयुर्वेद में सौंफ और धनिया को शीतल प्रकृति का माना गया है। भोजन के बाद सौंफ चबाना पाचन तंत्र को आराम देने में मदद कर सकता है। सौंफ पाचन क्रिया को बेहतर करके भोजन को पचाने में सहायक होता है।

### सीने में जलन और एसिडिटी, खट्टी डकारें, मुंह के छाले, अत्यधिक पसीना, शरीर में गर्मी महसूस होना, त्वचा पर लाल चकत्ते, जल्दी गुस्सा आना, आंखों में जलन, सिरदर्द

### बढ़े हुए पित्त के शुरुआती लक्षण

पित्त बढ़ने पर शरीर कई संकेत देने लगता है। शुरुआत में लोग इन्हें सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। इसमें व्यक्ति को आगे बताए लक्षण महसूस होते हैं।

# बारिश में जल्दी खराब होते आटा-चावल, दाल

बढ़ता बैक्टीरिया-फंगस का रिस्क

जानें मानसून फूड स्टोरेज टिप्स

**बारिश के मौसम में वातावरण में नमी बढ़ने और तापमान में बार-बार बदलाव होने से खाने-पीने की चीजें जल्दी खराब होती हैं। इस मौसम में आटा, दाल, सब्जियां और डेयरी प्रोडक्ट्स में फंगस और बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं। ऐसे में मानसून में खाने की चीजों को सही तरीके से स्टोर करना बेहद जरूरी है।**

मानसून के दौरान हवा में नमी काफी बढ़ जाती है। यह बैक्टीरिया और फंगस जैसे माइक्रोऑर्गेनिज्म (सूक्ष्मजीव) के पनपने के लिए अनुकूल माहौल होता है। ये बैक्टीरिया और फंगस खाने में तेजी से बढ़ते हैं, जिससे खाना जल्दी खराब होने लगता है। नमी के कारण खाने में पानी की मात्रा (वॉटर एक्टिविटी) बढ़ जाती है। यह माइक्रोबियल ग्रोथ को और तेज करती है। नतीजतन इस मौसम में खाने को सही तरीके से स्टोर न करने पर वह जल्दी खट्टा हो सकता है या उसमें फफूंदी लग सकती है। मानसून में आटा, बेसन, दालें, अनाज, मसाले और पका हुआ खाना जल्दी खराब होते हैं। इनके अलावा कुछ और फूड आइटम्स के खराब होने का रिस्क ज्यादा होता है। आटा, दाल, चावल और मसालों को साफ, सूखे और एयरटाइट डिब्बों में रखना चाहिए।

### आलू, प्याज और लहसुन को कैसे स्टोर करें?

इन्हें सूखी और हवादार जगह पर रखें। पेपर बैग या टोकरी में रखें, ताकि एयर-फ्लो बना रहे। प्लास्टिक बैग में न रखें। नमी से दूर रखें, वरना सड़न और फफूंदी जल्दी लगती है। आलू और प्याज को साथ में स्टोर न करें। प्याज से निकलने वाली गैस आलू को जल्दी खराब कर सकती है।

# डेंगू में सिर्फ प्लेटलेट्स नहीं गिरते, दिल पर भी हो सकता है हमला!

**मानसून सीजन में डेंगू के मामलों में तेजी देखी जाती है. किसी को ये बीमारी अपने चपेट में ले लेती है और लगातार प्लेटलेट्स गिरते हैं तो कंडीशन बिगड़ सकती है. इस बीमारी में प्लेटलेट्स काउंट का कम होना नॉर्मल है. पर क्या आप जानते हैं कि डेंगू का असर हमारे दिल पर भी पड़ता है. डेंगू का दिल पर क्या असर पड़ता है इसको लेकर डॉ. अनिल गोम्बर (सीनियर डायरेक्टर इंटरनल मेडिसिन यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल) से बातचीत की. एक्सपर्ट बताते हैं कि दिल पर डेंगू का सीधा असर नहीं होता, लेकिन अगर हालात गंभीर हो जाए तो हार्ट की कार्यक्षमता प्रभावित होने लगती है. चलिए आपको बताते हैं कि डेंगू होने पर हमारे दिल की सेहत और इसकी कार्यक्षमता पर क्या असर पड़ता है.**

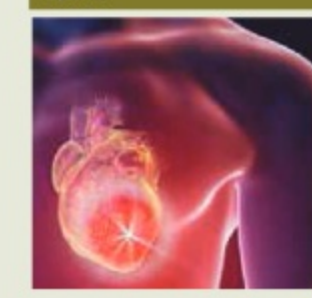

### डेंगू का दिल पर असर

डॉक्टर अनिल का कहना है कि ज्यादातर लोग डेंगू को सिर्फ प्लेटलेट्स कम होने वाली बीमारी मानते हैं, लेकिन गंभीर मामलों में यह दिल पर भी असर डाल सकता है. डेंगू वायरस शरीर में सूजन (इन्फ्लेमेशन) बढ़ाकर दिल की मांसपेशियों को प्रभावित कर सकता है, जिससे मायोकार्डाइटिस, अनियमित धड़कन, लो ब्लड प्रेशर और दुर्लभ मामलों में हार्ट फेल्योर जैसी जटिलताएं हो सकती हैं.

### होने लगती हैं ये समस्याएं

यदि डेंगू के दौरान तेज सीने में दर्द, सांस लेने में तकलीफ, लगातार चक्कर आना, बेहोशी, धड़कन का बहुत तेज या अनियमित होना या अत्यधिक कमजोरी महसूस हो, तो इन्हें सामान्य लक्षण समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. ऐसे मरीजों को तुरंत अस्पताल में जांच और निगरानी की जरूरत होती है.

### हार्ट फेलियर का खतरा

एक्सपर्ट कहते हैं कि टाइम पर सही इलाज न मिलने पर डेंगू शॉक सिंड्रोम की कंडीशन बन जाती है और ये जानलेवा स्थिति मानी जाती है. अगर किसी को पहले से दिल से जुड़ी बीमारी है और डेंगू हो जाए तो इससे एक्स्ट्रा प्रेशर बन सकता है. एक्सपर्ट बताते हैं कि मायोकार्डाइटिस होने पर हार्ट फेलियर भी हो सकता है.

# एजुकेशन सिस्टम को आईना दिखाता चक्काजाम : एक भवन सुबह कॉलेज, दोपहर को लग रही स्कूल की क्लास

**राजनांदगांव।** ग्राम ठेलकाडीह में गुरूवार को कॉलेज के छात्रों के साथ कांग्रेसियों ने चक्काजाम किया। लंबे समय से कॉलेज भवन की मांग की जा रही है। लेकिन स्वीकृति मिलने के बाद काम आगे नहीं बढ़ रहा है। ऐसा तीन मर्तबा हो गया है। इस कारण वर्तमान स्थिति यह है कि स्कूल भवन में ही कॉलेज का संचालन हो रहा है। मतलब सुबह पाली में कॉलेज और दोपहर दूसरी पाली में स्कूल की क्लासेस लग रही है। इसे लेकर ही कांग्रेसियों और छात्रों ने प्रदर्शन किया। मिली जानकारी के अनुसार संत गुरू घासीदास बाबा स्कूल का संचालन ठेलकाडीह में किया जा रहा है। इसी बीच यहां कॉलेज की स्वीकृति मिली। काफी साल बीत जाने के बाद भी कॉलेज का भवन नहीं बन सका। डोंगरगढ़ विधायक हर्षिता बघेल ने बताया कि कांग्रेस सरकार के दौरान जगह भी अलॉट कर दी गई थी और राशि भी स्वीकृत कर दी गई। लेकिन सरकार बदलने के बाद इस काम को ठंडे बस्ते में डोल दिया गया। उसके बाद से वे लगातार विधानसभा सत्रों में भी इस मांग को रख रही है। लेकिन इस पर गौर नहीं किया जा रहा है। इस कारण स्कूल-कॉलेज को एक ही भवन में लगाना पड़ रहा है। इस कारण स्टूडेंट्स को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पहले कालेज में छात्रों की संख्या अधिक थी। लेकिन क्लासेस की समस्या के चलते पर संख्या सौ के करीब आ गई है, इस तरह की छात्रों की संख्या में भी कमी हो रही है। इसलिए गुरूवार को प्रदर्शन कर चक्काजाम किया गया।

### यातयात हुआ प्रभावित, पुलिस टीम रही मौजूद

ठेलकाडीह में प्रर्दशन को लेकर पहले ही पुलिस टीम की तैनाती हो गई थी। प्रदर्शन के दौरान डोंगरगढ़ विधायक के अलावा डोंगरगढ़ और खैरागढ़ के कांग्रेसी नेता भी कालेज के छात्रों के साथ शामिल हुए। यहां सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। चक्काजाम के चलते कुछ समय के लिए गाड़ियों की आवाजाही भी प्रभावित हुई। इसके बाद यातयात व्यवस्था को बहाल किया गया और स्थानीय अधिकारियों को कांग्रेसियों और छात्रों ने ज्ञापन सौंपा।

### स्थान परिवर्तन हुआ, लेकिन भवन अब तक नहीं बन पाया

बताया गया कि कांग्रेस सरकार के समय भी कमी हो देखते हुए कॉलेज के लिए ठेलकाडीह में ही जमीन अलॉट कर दी गई। कुछ स्वीकृति भी आना बताया गया।

लेकिन विधानसभा चुनाव और सरकार बदलने के बाद यह काम अटक गया। इसके बाद लगातार इसकी मांग उठती रही। तो प्रदेश सरकार ने ठेलकाडीह में दूसरी जगह पर जमीन दी। ताकि भवन का निर्माण हो सके। लेकिन वह भी अब तक आगे नहीं बढ़ पाया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इसी तरह की प्रक्रिया तीन बार हो चुकी है। लेकिन कॉलेज भवन नहीं बन पाया है।

# नगर निगम ने की कार्रवाई, अतिक्रमण की शिकायत पर चला बुलडोजर, हटाए गए ठेले

**साफ-सफाई और यातयात हो रहा प्रभावित, कब्जों पर बरत रहे सख्ती**

**राजनांदगांव।** शहर में अतिक्रण पर नगर निगम की टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। अभियान के तहत नंदई कोठारपारा रोड में अतिक्रमण को तोड़ा गया। वहीं टाकापारा से रोड में रखे ठेले हटाए गए। पूर्व भी नगर निगम टीम इस तरह की कार्रवाई कर रही है। इसमें खासकर उन जगहों को फोकस किया जा रहा है, जहां आवाजाही, पानी निकासी में दिक्कत हो और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा हो। बारिश में साफ-सफाई की दृष्टिकोण से एवं समुचित पानी निकासी के लिए नगर निगम का अतिक्रमण दस्ता वार्डों में निरीक्षण कर निकासी में आए बाधा और आवागमन प्रभावित होने की दृष्टिकोण से अतिक्रमण हटाव अभियान चला रही है। वहीं मलबा मंडप के तहत रोड में व नाली जाम कर रखे बिल्डिंग मटेरियल एवं मलबा भी हटाने के साथ साथ गंदगी फैलाने पर जुर्माना की कार्रवाई कर रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में आज निगम आयुक्त जीआर मरकाम के निर्देश पर नगर निगम की अतिक्रमण हटवा टीम ने पुराना बस स्टैण्ड रोड से टाकापारा रोड में सड़क एवं नाली के पास रखे 6 ठेला हटाये गये। वही कल नंदई कोठार पारा रोड में सड़क पर अतिक्रमण कर बीम डाला जा रहा था, जिसकी शिकायत पर आयुक्त की उपस्थिति में जेसीबी से तोड़ा गया। यह अभियान निरंतर जारी रहेगी। आयुक्त मरकाम ने शहर को स्वच्छ एवं साफ रखने सहयोग करने नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील करते हुये कहा है कि शहर के चौक-चैराहों एवं रोड में पसरा व ठेला खोमचा न लगाए।

रोड में पसरा आदि लगाने से यातायात बाधित होने के साथ साथ दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। इसी प्रकार अतिक्रमण करने से पानी निकासी प्रभावित होती है।

# 15.85 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं को प्रशासनिक स्वीकृति

**डीएमएफमद से जिले के विकास कार्यों को मिली रफ्तार**

**रायगढ़।** जिले के खनिज प्रभावित क्षेत्रों के समग्र विकास को प्राथमिकता देते हुए जनहित के कार्यों को लगातार स्वीकृति प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से 15 करोड़ 85 लाख 60 हजार रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति दी है। इन परियोजनाओं से जिले के स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण अधोसंरचना को नई मजबूती मिलेगी तथा हजारों ग्रामीणों को बेहतर सुविधाओं का लाभ प्राप्त होगा। स्वीकृत कार्यों के अंतर्गत खरसिया विकासखंड के सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं उप स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण और उन्नयन के लिए 88 लाख 81 हजार रुपये मंजूर किए गए हैं। वहीं धरमजयगढ़ विकासखंड के सिविल अस्पताल के निर्माण एवं उन्नयन कार्यों के लिए 5 करोड़ 28 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अतिरिक्त धरमजयगढ़, लैलूंगा, तमनार एवं घरघोड़ा विकासखंडों में मॉडल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग सेंटर भवनों के निर्माण एवं विकास कार्यों के लिए 9 करोड़ 56 लाख 18 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इन परियोजनाओं से विद्यार्थियों को आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं और बेहतर अधोसंरचना उपलब्ध होगी, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा भी विस्तृत होगा। शिक्षा अधोसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में लैलूंगा विकासखंड के ग्राम पंचायत कुर्रा में अतिरिक्त कक्ष सहित प्राथमिक शाला भवन के जीर्णोद्धार के लिए 3 लाख 48 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसी प्रकार ग्राम पंचायत चोरंगा के माध्यमिक शाला भवन के जीर्णोद्धार कार्य के लिए 9 लाख 13 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। डीएमएफ मद से स्वीकृत इन विकास कार्यों के क्रियान्वयन से खनिज प्रभावित क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाएं सुदृढ़ होंगी, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार आएगा।

तथा क्षेत्र के समग्र और संतुलित विकास को नई गति मिलेगी।

# शराब कोचियों के साथ किसकी मिलीभगत, पैटर्न बदला, 25-25 पौवा खरीदकर अवैध बिक्री

**नियमों की आड़ लेकर कोचियों ने बनाया नया सिंडिकेड, पुलिस और आबकारी की कार्रवाई सुस्त**

### शहर और आउटर के इलाकों में दोनों ही विभागों की बड़ी कार्रवाई नहीं

**राजनांदगांव।** ग्रामीण इलाकों की तरह अब शहर और आउटर में भी नियमों की आड़ लेकर शराब का परिवहन कर अवैध बिक्री की जा रही है। नियमों के अनुसार शराब दुकानों से 25 पौवा की खरीदी करना वैध है। ऐसे में कोचियों ने शहर और आउटर के लिए नया सिंडिकेड बना लिया। इसमें अधिकारी-कर्मचारियों की मिलीभगत न हो, इसे नकारा नहीं जा सकता। स्थिति यह है कि चौक-चौराहों पर बड़ी खेप लेकर कोई कोचियां एक्टिव नहीं है। बल्कि वह 25-25 पौवा खरीदकर ला रहा है और मनमाने दाम पर उसकी बिक्री कर रहा है। यहीं कारण है कि शहर और आउटर के इलाकों में शराब कोचियों पर बड़ी कार्रवाई नहीं हो पाई है। शराब की छोटी खेप पकड़ा रही है। तकरीबन दो-तीन पहले ही बात करें तो चौक-चौराहों से कोचियों का काम लगभग समाप्त हो गया था। लेकिन अब दोबारा उन्होंने नए पैटर्न के साथ काम शुरू कर दिया है। शहर के बीच पुराना बस स्टैंड, नया बस स्टैंड, कैलाश नगर, रामनगर, स्टेशन पारा, लखोली, गोल बाजार, फल बाजार, ममता नगर, नंदई चौक, बसंतपुर, पेंड्री, तुलसीपुर, कन्हारपुरी जैसे इलाकों में शराब बेची जा रही है। युवकों की टीम बना दी गई है। वह अपने पास 4 से 5 पौवा लेकर घूम-घूमकर बेच रहे है। ऐसे कोचियों पर लगाम जरूरी है। क्योंकि छोटे या बड़े किसी भी स्तर पर आखिर शहर में दोबारा कोचियागिरी शुरू हो चुकी है।

### सुबह कार्रवाई और शाम को जमानत, इसलिए हौसला बढ़ा

शराब के अवैध परिवहन और कोचियागिरी की कार्रवाई के आंकड़ों को देखा जाए तो साफ हो जाएगा कि आंकड़ों में तो कार्रवाई पर्याप्त है। लेकिन आरोपियों को पुलिस पकड़ तो रही है, लेकिन सुबह कार्रवाई और शाम को उन्हें जमानत मिल जा रही है। यह भी एक पैटर्न बन गया है। पिछले एक महीने में हुई अलग-अलग थानों की कार्रवाई इसकी गवाह है। इस कारण भी तस्करों और कोचियों के हौसले बढ़े हुए हैं और वे जमानत मिलने के बाद दोबारा इस अवैध कारोबार को करने लग जाते हैं।

# रोहराकला की स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने शुरू किया राखी निर्माण

**मुंगेली ।** राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं अब पारंपरिक आजीविका गतिविधियों से आगे बढ़ते हुए नवाचार के माध्यम से आत्मनिर्भरता की नई राह बना रही हैं। इसी कड़ी में विकासखण्ड पथरिया के ग्राम रोहराकला की आदर्श महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने इस वर्ष पहली बार चावल, मूंग, धनिया, काली मिर्च सहित विभिन्न प्राकृतिक बीजों का उपयोग कर आकर्षक एवं पर्यावरण-अनुकूल राखियां तैयार की हैं। पहले समूह की महिलाओं के पास आय के सीमित साधन थे। बिहान योजना के माध्यम से समूह को रिवॉल्विंग फंड, कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड एवं बैंक लिंकेज की सुविधा मिली। विभागीय मार्गदर्शन और क्षमता विकास प्रशिक्षण से महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा और उन्होंने उपलब्ध स्थानीय संसाधनों का उपयोग करते हुए राखी निर्माण की नई गतिविधि शुरू की। रक्षाबंधन पर्व को ध्यान में रखते हुए समूह की महिलाओं ने अलग-अलग डिजाइन और रंगों में हस्तनिर्मित राखियां तैयार की हैं। प्राकृतिक बीजों से तैयार इन राखियों की खासियत इनका स्थानीय, आकर्षक और पर्यावरण-अनुकूल स्वरूप है।

स्थानीय बाजार में भी इन राखियों को अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। समूह को इस सीजन में लगभग 30 से 40 हजार रुपये की अतिरिक्त आय होने की उम्मीद है। राखी निर्माण से प्राप्त आय महिलाओं के परिवारों की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोगी बनेगी। इससे बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं घरेलू जरूरतों में आर्थिक सहायता मिलने के साथ महिलाओं में बचत, निवेश और स्वरोजगार की भावना भी मजबूत होगी। आदर्श महिला स्व-सहायता समूह की यह पहल केवल राखी निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिला उद्यमिता, स्थानीय संसाधनों के उपयोग, पर्यावरण संरक्षण और सामूहिक आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी उदाहरण बनकर सामने आई है। बिहान के सहयोग से रोहराकला की महिलाएं अब अपने हुनर को बाजार से जोड़कर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं। उनका यह नवाचार गांव की अन्य महिलाओं और स्व-सहायता समूहों को भी नए आजीविका अवसर तलाशने के लिए प्रेरित कर रहा है।

# रात में दुर्घटनाएं रोकने रायगढ़ पुलिस की नई पहल : सड़क किनारे पेड़ों पर लगाए जा रहे ट्री मार्क रेडियम रिफ्लेक्टर

**रायगढ़।** पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा-निर्देशन में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले में एक अभिनव सड़क सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है। एडिशनल एसपी अनिल सोनी एवं एडिशनल एसपी (ट्रैफिक) पुष्पेन्द्र बघेल के मार्गदर्शन तथा ट्रैफिक डीएसपी उत्तम प्रताप सिंह के नेतृत्व में यातायात पुलिस की टीमों द्वारा मुख्य मार्गों पर सड़क किनारे स्थित वृक्षों पर ज्तमम डंतामत रेडियम रिफ्लेक्टर स्टीकर लगाए जा रहे हैं।

अक्सर रात्रि के समय सड़क किनारे खड़े पेड़ अंधेरे में स्पष्ट दिखाई नहीं देते, जिससे तेज रफ्तार या विपरीत दिशा से आने वाले वाहनों के चालक दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। इसी जोखिम को कम करने के लिए यातायात पुलिस ने जिले के विभिन्न मार्गों का सर्वे कर ऐसे चिन्हित वृक्षों पर उच्च गुणवत्ता वाले रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए जा रहे हैं, जो वाहन की हेडलाइट पड़ते ही दूर से चमकते हैं और चालक को पहले से सतर्क कर देते हैं। यह छोटा लेकिन प्रभावी प्रयास विशेष रूप से रात के समय होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अभियान के लिए थाना यातायात की अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं, जो जिले के विभिन्न मार्गों पर लगातार कार्य कर रही हैं। अभियान के तहत कल उर्दना-गेरवानी-लाखा मार्ग, पहाड़ मॉदिर-बनोरा मार्ग तथा इंदिरा विहार-हमीरपुर मार्ग में सड़क किनारे चिन्हित पेड़ों पर ज्तमम डंतामत, रेडियम रिफ्लेक्टर स्टीकर लगाए गए। आगामी दिनों में जिले के अन्य संवेदनशील एवं दुर्घटना संभावित मार्गों पर भी यह कार्य चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे रात्रि में निर्धारित गति सीमा का पालन करें, हाई बीम का अनावश्यक उपयोग न करें, सीट बेल्ट एवं हेलमेट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें तथा सड़क संकेतकों एवं रिफ्लेक्टर मार्किंग का सम्मान करते हुए सावधानीपूर्वक वाहन चलाएं। सड़क सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से ही सुरक्षित यातायात व्यवस्था का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

**धरमजयगढ़ वन मंडल में 124 हाथियों का डेरा**

# बरसात के साथ बढ़ा गजराज का कहर, तीन दिन में 6 मकान, 83 किसानों की फसलें तबाह

**रायगढ़।** जिले में मानसून की शुरुआत के साथ ही जंगली हाथियों का आतंक एक बार फिर बढ़ने लगा है। भोजन की तलाश में जंगल से निकलकर गांवों की ओर पहुंच रहे हाथियों ने महज तीन दिनों के भीतर धरमजयगढ़ वन मंडल में 6 मकानों, एक झोपड़ी, एक अहाता और एक ट्रैक्टर को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ 83 किसानों की फसलों को भी रौंद डाला।

वन विभाग की टीम प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कर नुकसान का आंकलन करने और नियमानुसार मुआवजा प्रक्रिया आगे बढ़ाने में जुटी हुई है। वन विभाग के अनुसार वर्तमान में धरमजयगढ़ वन मंडल में कुल 124 हाथी अलग-अलग दलों में विचरण कर रहे हैं। इनमें 35 नर, 57 मादा और 32 शावक शामिल हैं। सबसे अधिक 51 हाथियों का दल लैलूंगा रेंज के तीन अलग-अलग बीटों में सक्रिय है। इसके अलावा कापू रेंज में 29, बोरो रेंज में 23, धरमजयगढ़ रेंज में 15, छाल रेंज में 5 तथा बाकारूमा क्षेत्र में 1 हाथी मौजूद है। हाथियों की लगातार मौजूदगी से दर्जनों गांवों के ग्रामीण दहशत में हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के मौसम में खेतों में लहलहाती धान की फसल हाथियों को अपनी ओर आकर्षित करती है। भोजन की तलाश में गांवों के करीब पहुंचने वाले हाथी कई बार मकानों को भी क्षतिग्रस्त कर देते हैं और फिर जंगल की ओर लौट जाते हैं। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ हर समय जान-माल का खतरा भी बना रहता है। वन विभाग ने हाथी प्रभावित गांवों में सतर्कता बढ़ा दी है। वनकर्मियों के साथ हाथी मित्र दल लगातार गांव-गांव मुनादी कर लोगों को हाथियों की मौजूदगी की जानकारी दे रहा है। ग्रामीणों से रात के समय जंगल या खेतों की ओर अकेले नहीं जाने, हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने तथा किसी भी स्थान पर हाथी दिखाई देने पर तत्काल वन विभाग को सूचना देने की अपील की जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि को रोका जा सके।

# दिवसीय एयरोमॉडलिंग प्रशिक्षण संपन्न, विद्यार्थियों ने सीखे विमान निर्माण और उड़ान के वैज्ञानिक सिद्धांत

**जशपुर नगर।** कलेक्टर रोहित व्यास के मार्गदर्शन में जिले के विद्यार्थियों के लिए संकल्प शिक्षण संस्थान जशपुर में आयोजित 5 दिवसीय आवासीय एयरोमॉडलिंग प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक समापन हुआ। वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक सोच एवं नवाचार के प्रति रुचि विकसित करने के उद्देश्य से कराए गए इस प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को विमानन विज्ञान, एयरोडायनामिक्स एवं एयरोमॉडलिंग के सिद्धांतों को व्यवहारिक गतिविधियों के साथ सीखने का अवसर मिला। संयुक्त कलेक्टर प्रशांत कुशवाहा एवं जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र सिन्हा के निर्देशन में आयोजित इस प्रशिक्षण में जिले के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के 40 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। पाँच दिनों तक विद्यार्थियों ने विमान उड़ान के वैज्ञानिक सिद्धांत, विमान की संरचना, उड़ान नियंत्रण प्रणाली, एयरफॉइल, लिफ्ट, ड्रैग, थ्रस्ट, सेंटर ऑफ ग्रैविटी तथा आधुनिक विमानन तकनीकों का अध्ययन किया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें 3ड वर्चुअल रियलिटी तकनीक के माध्यम से कॉकपिट एवं विमान संचालन का आभासी अनुभव भी कराया गया। प्रशिक्षक सुभाष देवांगन और राजेश राजपूत ने विद्यार्थियों को वायुगतिकी की ट्रेनिंग दी। एयरोमॉडल प्रशिक्षण के प्रायोगिक सत्रों में विद्यार्थियों ने पेपर प्लेन, बूमरैंग, एयरक्राफ्ट पज़ल्स तथा एयरोमॉडल निर्माण जैसी गतिविधियों में भाग लिया। अंतिम चरण में उन्होंने प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में एयरोमॉडल के संतुलन, नियंत्रण और उड़ान परीक्षण की प्रक्रिया को समझा। यशस्वी जशपुर के नोडल अधिकारी विनोद कुमार गुप्ता ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण विद्यार्थियों को केवल विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी ही नहीं देते, बल्कि उन्हें व्यावहारिक प्रयोग, समस्या समाधान, टीमवर्क और नवाचार आधारित सोच विकसित करने का अवसर भी प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के सफल संचालन में यशस्वी जशपुर के अवनीश पाण्डेय की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com